Ranchi ● Tuesday, 22 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 97 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

विश्व पृथ्वी दिवस आज

सरायकेला डीसी को प्रधानमंत्री ने पीएम एक्सीलेंस अवार्ड से किया सम्मानित

PHOTON NEWS SARAIKELA : सोमवार को झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राइम मिनिस्टर अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन 2024 से सम्मानित किया। सिविल सर्विस डे के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने रवि शंकर शुक्ला को यह अवार्ड प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम में राज्य के सरायकेला-खरसावां जिले का गम्हरिया ब्लॉक देशभर में अव्वल रहा है। नीति आयोग की टीम ने गम्हरिया प्रखंड में योजना की जमीनी हकीकत की पड़ताल की थी। उसके बाद गम्हरिया ब्लॉक का इस अवार्ड के लिए चयन किया गया है। गम्हरिया प्रखंड को यह पुरस्कार मिलने से सरायकेला-खरसावां जिले के साथ-साथ पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ गई है।

आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम में देश भर में अव्वल रहा है गम्हरिया ब्लॉक

नीति आयोग की टीम ने की थी योजना की जमीनी हकीकत की पड़ताल

सरायकेला उपायुक्त रविशंकर शुक्ला को सम्मानित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कार्यक्रम को धरातल पर उतारने के लिए की गई कड़ी मेहनत

उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की तरफ से इस कार्यक्रम को धरातल पर उतारने में कड़ी मेहनत की गई है। सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने गम्हरिया प्रखंड के सभी अधिकारियों की इस उपलब्धि पर प्रशंसा की है और आगे भी विकास योजनाओं को इसी तरह धरातल पर उतारने की बात कही है, ताकि इसका लाभ जनता को मिलता रहे। यह कार्यक्रम नीति आयोग की पहल है, जिसे 7 जनवरी 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य देश के 500 पिछड़े प्रखंडों में जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

नागरिकों के पोषण में सुधार के वास्ते नए सिरे से प्रतिबद्धता पर मोदी ने दिया जोर

लोक सेवकों को पीएम ने दिया 'नागरिक देवो भव' मंत्र

NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक सेवकों से वंचित लोगों की समस्याओं के समाधान के दौरान नागरिक देवो भव के सिद्धांत का पालन करने को कहा और समावेशी विकास के लिए अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने पर जोर दिया। 17वें सिविल सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लोक सेवकों को स्वयं को केवल प्रशासक के रूप में ही नहीं देखना है, बल्कि विकसित भारत के शिल्पकार के रूप में खुद को तैयार करना है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है और उन्होंने बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने तथा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने पर विशेष रूप से ध्यान देने पर जोर दिया। कहा कि सिविल सेवा को प्रासंगिक बने रहने के लिए समकालीन चुनौतियों के अनुकूल बनना होगा।

लोक सेवक केवल प्रशासक ही नहीं, विकसित भारत के शिल्पकार के रूप में खुद को करें तैयार

समर्पण व करुणा की दरकार

मोदी ने नागरिक देवो भव का मंत्र दिया और इसकी तुलना अतिथि देवो भव के सिद्धांत से की तथा लोक सेवकों से समर्पण एवं करुणा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की।

SHARE

सेंसेक्स	:	79,366.01
निफ्टी	:	24,120.20

SARAFA

सोना	:	9,195
चांदी	:	111.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड में 41 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

RANCHI : झारखंड में मौसम ने फिर से बदलाव हुआ है। राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। इसका सीधा असर राज्य के जन-जीवन पर पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी रांची में भी तापमान 36 डिग्री को पार कर गया है। जबकि डालटेनगंज में तापमान 41.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं गढ़वा में तापमान 40.5, सरायकेला में 40.7 और गुमला में भी अधिकतम तापमान बढ़कर 38.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की आशंका जतायी है। तापमान बढ़ने से पलामू और गढ़वा सहित कई जिलों में फिर से लू चलने लगी है।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट से एक जवान शहीद

BIJAPUR : सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एक जवान बलिदानी हो गया। 19वीं बटालियन छत्तीसगढ़ आर्म्ड फॉर्स के जवान मनोज पुजारी (26वर्ष) तोयनार-फरसेगढ़ सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात थे। बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय जानकारी के अनुसार मनोज पुजारी रोड सेक्योरिटी ऑपरेशन ड्यूटी पर थे। घटना स्थल मोरमेड जंगल में स्थित है, जो तोयनार से लगभग 4 किलोमीटर दूर फरसेगढ़ की ओर है। उन्होंने बताया कि जब जवानों की टुकड़ी सड़क निर्माण स्थल की ओर गश्त कर रही थी, उसी दौरान यह विस्फोट हुआ। ब्लास्ट इतना तीव्र था कि जवान का मौके पर ही बलिदान हो गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियाँ रवाना कर दी गई हैं। इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है।

बोकारो में ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों से एनकाउंटर, एक महिला अरेस्ट

1 करोड़ के इनामी सहित 8 नक्सली ढेर

- जवानों को देखते ही नक्सलियों ने शुरू कर दी फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में मारे गए नक्सली
- तीन की हुई पहचान, पांच की शिनाख्त बाकी, लुगु और झुमरा पहाड़ लंबे समय से नक्सलियों के सुरक्षित ठिकानों में हैं शुमार
- विवेक पर एक करोड़, साहेब राम पर 10 लाख व अरविंद यादव पर घोषित था 3 लाख रुपये का इनाम
- चार इंसास राइफल व एक एसएलआर सहित दैनिक उपयोग के अन्य सामान बरामद

PHOTON NEWS TEAM : झारखंड के बोकारो जिले के लुगु पहाड़ क्षेत्र में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान में सुरक्षाबलों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। सुबह में सुरक्षाबलों और पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में करोड़ के इनामी सहित आठ नक्सली देर कर दिए गए। इस दौरान पुलिस ने एक महिला नक्सली को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से तीन की पहचान हो गई है, जबकि अभी पांच की शिनाख्त होना बाकी है। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से चार इंसास राइफल, एक एसएलआर, एक रिवॉल्वर और दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों की नजर जवानों पर पड़ी और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी फायरिंग की। सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस इस ऑपरेशन में शामिल रही। कोबरा बटालियन जंगल युद्ध में विशेषज्ञ मानी जाती है और नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सक्रिय रहती है।

चाईबासा में शहीद जवान का बदला

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा, चाईबासा में शहीद हुए जवान का हमने बदला ले लिया है। अब हमारा पूरा फोकस चाईबासा में नक्सलियों को खत्म करने पर रहेगा। डीजीपी ने कहा कि नक्सली आत्मसमर्पण करें, नहीं तो गोली खाने के लिए तैयार रहें। बहुत जल्द ही झारखंड से नक्सलियों का सफाया कर दिया जायेगा। डीजीपी ने पत्रकारों से बातचीत में रांची में कहा कि लुगु बुरू पहाड़ की तलहटी में पहली गोलीबारी सुबह 5:30 बजे हुई। मुठभेड़ डेढ़ से दो घंटे तक चली। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया, तो जवानों को 8 नक्सलियों के शव और उनके पास से कई हथियार मिले। पुलिस महानिदेशक ने एक बार फिर कहा कि नक्सली अगर शांति चाहते हैं, तो वे समर्पण कर दें।

सरेंडर करें नक्सली, नहीं तो मारे जाएंगे : डीजीपी

राज्य के डीजीपी अनुराग कुमार गुप्ता ने 8 नक्सलियों को मार गिराने पर सुरक्षा बलों को शाबाशी देते हुए नक्सलियों को चेतावनी दी है कि वे हथियार छोड़ दें। पुलिस के सामने सरेंडर कर दें। अगर वे सरेंडर नहीं करेंगे, तो पुलिस उनके हर ठिकाने से वाकिफ है। उनकी हर गतिविधि पर पुलिस की नजर है। हथियारों के साथ घूमने वाले एक-एक नक्सली का यही अंजाम होगा। डीजीपी ने कहा कि अलग झारखंड राज्य बनने के बाद पहली बार एक करोड़ रुपये के इनामी सेंट्रल कमेंटी मेंबर समेत 8 नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया है। इनमें सेंट्रल कमेटी मेंबर विवेक उर्फ प्रयाग मांझी, साहेब राम मांझी और अरविंद यादव शामिल हैं। विवेक पर एक करोड़, साहेब राम पर 10 लाख और अरविंद यादव पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए जारी है अभियान : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान में एक करोड़ के इनामी सहित आठ माओवादियों को ढेर किए जाने पर सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली।

पोप फ्रांसिस

जन्म: 17 दिसंबर 1936
निधन: 21 अप्रैल 2025

नहीं रहे कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु

कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वेटिकन के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। वह प्रथम लैटिन अमेरिकी पोप थे और जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। वह 88 वर्ष के थे। पोप फ्रांसिस के निधन पर दुनिया के सभी देशों के प्रमुखों ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने भी पोप के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा, पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में दुनिया के कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। कार्डिनल केविन फेरेल ने घोषणा की, रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस सुबह 7.35 बजे यीशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन यीशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल फेरेल वेटिकन को कैमरलेंगो घोषित किया था। कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा के लिए अधिकृत होते हैं। फेफड़े की गंभीर समस्या से ग्रस्त फ्रांसिस को श्वसन संबंधी दिक्कतों के चलते 14 फरवरी, 2025 को गेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। युवावस्था में उनके फेफड़े के एक हिस्से को निकालना पड़ा था। वह 38 दिनों तक अस्पताल में रहे, जो पोप के रूप में उनके 12 साल के कार्यकाल में अस्पताल में भर्ती होने की सबसे बड़ी अवधि है।

- 88 साल की उम्र में वेटिकन में निधन, फेफड़ों और किडनी में था गंभीर संक्रमण
- करिश्माई व्यक्तित्व और विनम्र स्वभाव से छोड़ी अमिट छाप
- 14 फरवरी को गेमेली अस्पताल में कराया गया था भर्ती
- 12 वर्षों के कार्यकाल में 38 दिन गुजारने पड़े अस्पताल में
- युवावस्था में निकालना पड़ा था उनके फेफड़े के एक हिस्से को
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा दुख

गिरिडीह में तीन मंजिला मकान में लगी भीषण आग, मारवाड़ी मोहल्ला में हुई घटना

मां-बेटी की दर्दनाक मौत, बचाए गए चार लोग

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह में सोमवार को एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से मां-बेटी की मौत हो गई। यहां तीन मंजिला मकान के पहले तल्ले पर खुशी मार्ट नामक कपड़े की दुकान थी। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से सबसे पहले दुकान में आग लगी, जिसने धीरे-धीरे ऊपर बढ़ते हुए पूरी बिल्डिंग को आगोश में ले लिया। मृतकों में सीताराम डालमिया की बहू संगीता डालमिया (45) और पोती खुशी डालमिया (21) शामिल है। इस घटना में चार लोगों को सीताराम डालमिया, उनकी पत्नी किरण डालमिया, बेटा दिनेश डालमिया और पोता रिशु डालमिया को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना पचंबा थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी मोहल्ला में हुई। आग लगने की जानकारी लोगों को तड़के तीन बजे के करीब लगी। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। फिर राहत कार्य शुरू हुआ।

फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियों की घंटे मशक्कत के बाद पाया जा सका काबू

तीनों मंजिलों में तेजी से फैल गई आग

स्थानीय लोगों का कहना है यह आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। तीन मंजिला इस इमारत में नीचे दुकान तथा ऊपर दो मंजिलों में आवासीय क्षेत्र है। आग की लपटें तेजी से तीनों मंजिलों में फैल गई, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। भवन में बड़ी मात्रा में कपड़े रखे होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। दूसरी मंजिल पर सीताराम डालमिया का परिवार रहता है। आग लगने के बाद चार लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाल लिया गया लेकिन मां-बेटी अंदर ही फंस गई। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी के मर्डर मामले में पत्नी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

BENGALURU : सोमवार को कर्नाटक के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या के मामले में एएसआर लेआउट पुलिस थाने की टीम ने उनकी पत्नी पल्लवी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पत्नी पल्लवी ओम प्रकाश की हत्या की प्रमुख संदिग्ध है। घटना के समय ओम प्रकाश खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ। यह इतना बढ़ गया कि पत्नी ने उनकी हत्या कर दी। पल्लवी ने पहले ओम प्रकाश पर मिर्ची पाउडर फेंका, जब जलन से राहत पाने के वे इधर-उधर भाग रहे थे तो पल्लवी ने उनकी गर्दन, पेट और छाती पर चाकू से 10-12 वार किए गए। इस वारदात के दौरान बेटी कृति भी वहीं मौजूद थी। पति की मौत के बाद पल्लवी ने थाने को इसकी सूचना दी। बेटे कार्तिकेश की शिकायत पर पूर्व डीजीपी की पत्नी पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। कार्तिकेश ने आरोप लगाया कि उसकी मां पल्लवी पिछले एक सप्ताह से पिता को जान से मारने की धमकी दे रही थीं। धमकियों के कारण पिता अपनी बहन के घर रहने चले गए थे। दो दिन पहले छोटी बहन कृति वहां गई और पिता को उनकी मर्जी के खिलाफ वापस ले आई। दोनों अक्सर पिता से झगड़ती थीं।

- बिहार के मूल निवासी ओम प्रकाश 1981 बैच के थे आईपीएस अधिकारी

वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने किया मतदान

भारत का निर्वाचन आयोग कर चुका है समझौता : राहुल

NEW DELHI @ PTI : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी इस कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें देशद्रोही करार दिया और नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया।

- भाजपा ने इस वक्तव्य के कारण लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को करार दिया देशद्रोही

न्यू रिसर्च संक्रमित बंदरों पर परीक्षित दवा मनुष्य के लिए भी हो सकती है कारगर

इबोला वायरस को फैलने से रोकने के लिए जगी नई उम्मीद

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : साल 2019 में कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तबाही मचा दी थी। इसकी उत्पत्ति और फैलाव को लेकर आज भी मेडिकल साइंस में रिसर्च चल रहे हैं। इससे बहुत पहले इबोला वायरस को पहली बार 1976 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (तब जैरे) और सूडान में पहचाना गया था। दोनों ही जगहें इबोला नदी के पास थीं, इसीलिए इस बीमारी का नाम इबोला रखा गया। इस बीमारी को पैदा करने वाले वायरस को इबोला वायरस कहा जाता है। इस वायरस का संक्रमण बंदरों से मनुष्य में होने की वजह से सेहत को गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। इबोला केवल संक्रमित शरीर के तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से ही मनुष्यों के बीच फैल सकता है। इबोला के लक्षण संपर्क के दो दिन बाद से लेकर तीन सप्ताह बाद तक प्रकट हो सकते हैं। इसके लक्षण अन्य बीमारियों- जैसे पीला बुखार, मलेरिया और टाइफाइड बुखार से मिलते जुलते हैं। दुनिया में अभी तक इसके कारगर इलाज की कोई सटीक दवा नहीं है। हाल के रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि इबोला वायरस से संक्रमित बंदरों पर परीक्षित एक दवा मनुष्य के लिए भी कारगर हो सकती है।

बीमारी के इलाज को अधिक किफायती और कारगर बना सकता है यह मेडिसिन

सामान्य रूप से उप-सहारा अफ्रीका में देखा गया है इस बीमारी का प्रकोप

- 2019 में इस वायरस के लिए पहली वैक्सीन बनाने को दी गई थी मंजूरी
- नई वैक्सीन के भंडारण के लिए विशेष किस्म के कोल्ड स्टोरेज की होती है आवश्यकता

परीक्षण में कम संख्या में नियंत्रण समूह के बंदरों का किया गया उपयोग

- साइंस एडवांसेज नामक मशहूर शोध पत्रिका में प्रकाशित की गई है विस्तृत रिपोर्ट
- यह वैक्सीन वायरस के इंफेक्शन के लिए आवश्यक एंजाइम को कर देती है अवरुद्ध

परीक्षण में मिले सटीक नतीजे

वैज्ञानिकों ने जिस एंटीवायरल दवा ओबेल्डेसिविर का परीक्षण किया है, वह मूल रूप से कोविड-19 के लिए विकसित रेमडेसिविर का संशोधित रूप है। यह दवा वायरस के संक्रमण के लिए आवश्यक एंजाइम को अवरुद्ध कर देती है। इससे संक्रमण बढ़ने से रुक जाता है। परीक्षण के दौरान शोधकताओं ने रीसस मैकाक और सिनोमोलगस मैकाक बंदरों को इबोला वायरस के मकोना संस्करण की अत्यधिक खुराक दी।

BRIEF NEWS

अवैध कोयला खदान में लगी भीषण आग

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत भूचुंगडीह में अवैध कोयला खदान में भीषण आग लग गई है। सोमवार की सुबह वहां से उठती आग की लपटे और काले धुएं देखकर ग्रामीणों में खलबली मच गई। ग्रामीण की ओर से तत्काल इसकी सूचना रजरप्पा पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार कोयले के अवैध खनन के दौरान वहां आग लगी और वह आग बेकाबू हो गई है। अवैध खदान में आग लगने से आसपास के जंगलों में भी आग फैलता जा रहा है।

मंडल कारा का डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने सोमवार को चाईबासा मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरा उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और जेल प्रबंधन की समीक्षा की। अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कैदी वार्डों के साथ-साथ भोजनालय, भंडार कक्ष, दवाओं की उपलब्धता, संधारित पंजी सहित अन्य व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की। औचक निरीक्षण में सदर चाईबासा के अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टुटी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलको, कार्यपालक दंडाधिकारी देवेंद्र कुमार, कुमार हर्ष समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। जिला प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि जेल की व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय-समय पर इसी तरह निरीक्षण जारी रहेगा।

झील में डूबकर युवक की मौत

HAZARIBAG : लोहसिंघना थाना स्थित झील में सोमवार को एक नाव पलट गई। इससे नाव सहित उस पर सवार एक युवक पानी में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कर रही है। वहीं, एनडीआरएफ को भी सूचना दी गई है। युवक की पहचान आलेख गौरव के रूप में हुई है, जो हजारीबाग कोर्रा बाबूगांव का रहने वाला था। वह स्टेशनरी की दुकान चलाता था। वहीं, घटना से पहले का युवक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें युवक झील के बीच नाव पर लेटे हुए नजर आ रहा है। और हाथ से नाव को चला रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आलेख गौरव नाव को लेकर झील के बीचों-बीच चला गया था। लोगों ने उसे वापस बुलाने के लिए आवाज भी लगाई, पर युवक ने अनसुना कर दिया। इसी बीच नाव पलट गई और आलेख गौरव झील में डूब गया।

निशिकांत के खिलाफ अवमानना याचिका के लिए कोर्ट की अनुमति जरूरी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

अटॉर्नी जनरल से लेनी होगी मंजूरी, अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी इजाजत

NEW DELHI/RANCHI : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणी अब उन्हें भारी पड़ सकती है। उनके खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा बयान दिया है।

एक वकील द्वारा सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगे जाने पर न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने साफ कहा कि ऐसी याचिका दायर करने के लिए अदालत की अनुमति की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा, आप याचिका दायर करें, इसके लिए हमारी पूर्वानुमति आवश्यक नहीं है। हालांकि, अटॉर्नी जनरल की मंजूरी जरूरी पीठ ने साथ ही यह स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में अटॉर्नी जनरल की सहमति लेना जरूरी है। अधिवक्ता ने निशिकांत दुबे के बयान का हवाला देते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और सुप्रीम कोर्ट की अलोकतांत्रिक आलोचना की है, जो न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ है।

निशिकांत दुबे का विवादित बयान

निशिकांत दुबे ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट को लेकर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था, 'अगर कोर्ट को ही कानून बनाना है, तो फिर संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।' इतना ही नहीं, उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को देश में गृहयुद्ध जैसे हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया।

वक्फ बिल को लेकर भाजपा सांसद ने की थी टिप्पणी

यह विवाद वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाए थे, जिस पर केंद्र ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने का आश्वासन दिया था। इसी के बाद निशिकांत दुबे ने यह विवादित बयान दिया, जिसने उन्हें कानूनी संकट में डाल दिया है। वरिष्ठ वकील अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को पत्र लिखकर निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद की टिप्पणी ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

इस मामले में भाजपा ने झाड़ा पल्ला

इस पूरे मामले पर भाजपा ने डैमेज कंट्रोल करते हुए निशिकांत दुबे के बयान को व्यक्तिगत राय बताया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पार्टी का इन टिप्पणियों से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने नेताओं को ऐसी टिप्पणी करने से बचने की सख्त हिदायत दी है।

बर्मामाइंस में दो पक्षों में चली तलवार, महिला समेत आधा दर्जन जख्मी

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना क्षेत्र के ईस्टप्लांट बस्ती में सोमवार शाम दो पक्षों में पुराने विवाद को लेकर जमकर तलवारबाजी हुई। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्ष से एक महिला समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों में एक पक्ष से जगजीवन सिंह, लीला देवी और दूसरे पक्ष से राजिव कुमार, आयुष कुमार, संजीव कुमार और ऋतिक कुमार हैं। एक पक्ष से जगजीवन सिंह के जीजा ने बताया कि घटना के समय वह ड्यूटी पर थे। तभी राजीव, संजीव सिंह व अन्य लोग उनके घर में घुस आये और लाठी-डंडे के साथ तलवार से हमला कर दिया। वहीं, राजीव कुमार ने बताया कि जगजीवन सिंह का भगना मंगल उन लोगों को भला बुरा कह रहा था। वे लोग पूछने गए तो सभी ने तलवार व अन्य हथियारों से हमला बोल दिया। उन्होंने बताया कि उनका पूर्व में भी विवाद हो चुका है और इस संबंध में थाना में शिकायत की गई है।

17500 रुपये फाइन नहीं भरा तो छात्र को 10वीं में बैठने से रोका

JAMSHEDPUR : साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय ने फीस देर से जमा करने पर 9वीं के छात्र पर 17,500 रुपए का फाइन लगा दिया। स्कूल ने छात्र के पिता कृष्णा शाही को नोटिस भेजकर कहा है कि फाइन समेत पूरी फीस नहीं दी गई तो बच्चे को 10वीं में प्रवेश नहीं मिलेगा। छात्र के पिता ने जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के आरटीई सेल में शिकायत की है। उन्होंने बताया कि बच्चा 9वीं में पढ़ता है। आर्थिक तंगी के कारण पिछले साल 32,880 रुपए की फीस नहीं दे सके थे। इस साल जैसे ही पैसे आए, उन्होंने पूरी फीस जमा कर दी। इसके बाद स्कूल ने फाइन भरने का आदेश दिया। जब तक फाइन नहीं देंगे, तब तक बच्चे को 10वीं की कक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। यह बोर्ड परीक्षा की कक्षा है। स्कूल प्रबंधन ने इस पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग से उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने पर जवाब देंगे। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय ने मामले को गंभीर मानते हुए स्कूल को नोटिस जारी करने की तैयारी कर ली है। विभाग ने पूछा है कि 32,880 रुपए की फीस पर 17,500 रुपए फाइन किस आधार पर लगाया गया। विभाग ने बताया कि पिछले महीने भी इसी तरह का मामला सामने आया था। तब स्कूल को फाइन वापस लेने को कहा गया था। स्कूल ने सहमति जताई थी। इसके बावजूद अब एक और छात्र पर फाइन लगा दिया गया। छात्र के पिता ने बताया कि वे मजदूरी करते हैं। पिछले साल नियमित काम नहीं मिला। इसलिए फीस समय पर नहीं दे सके। इससे पहले कभी फीस में देरी नहीं की। इस बार भी जैसे ही पैसे मिले, सबसे पहले फीस भरी। अब फाइन नहीं देने पर बच्चे को 10वीं में बैठने से रोका जा रहा है।

एनएच-98 पर ट्रक व कार की टक्कर एक की मौत, चार लोग हुए घायल

AGENCY PALAMU : नेशनल हाईवे 98 पर नावा बाजार थाना क्षेत्र के कंडाघाटी में सोमवार सुबह ब्रेजा कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में कार चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि सवार चार लोग घायल हो गए हैं। इनमें से तीन लोगों को मेदिनीनगर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। सारे लोग बारात से लौट रहे थे। शव को एमआरएमसीएच में रखा गया है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना के बाद से शादी का माहौल मातम में बदल गया है।

मृतक की पहचान 26 वर्षीय सत्येंद्र यादव के रूप में हुई है। सत्येंद्र छतरपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ का रहने वाला था, जबकि घायल लोगों में छतरपुर के खोड़ी के रहने वाले मनीष यादव (28), सतीश यादव (22), राजू यादव (23) एवं एक अन्य शामिल हैं। सत्येंद्र यादव गाड़ी चला रहा था। जानकारी के अनुसार सत्येंद्र यादव चार अन्य रिश्तेदारों के साथ छतरपुर के खोड़ी गांव मामा के घर से ममेरे भाई की बारात में गढ़वा के रमकंडा थाना क्षेत्र के रक्सी गांव में गया था। बारात संपन्न होने के बाद सोमवार सुबह सभी लौट रहे थे। जैसे ही कार कंडाघाटी में पहुंची कि सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार सड़क से उतरकर गड्ढे में गिर कर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोग और पुलिस की तत्परता से जख्मी लोगों को कार से निकाला गया और फिर इलाज के लिए एमआरएमसीएच लाया गया। जहां डॉक्टर ने सत्येंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि चार लोगों को इलाज के लिए भर्ती किया गया। यहां से तीन लोगों को इलाज के लिए डॉक्टर राहुल अग्रवाल के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। एक जख्मी का कहीं और इलाज चल रहा है। सत्येंद्र यादव के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

अस्पताल में मौजूद परिजन व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

टीबी मरीजों के साथ रहने वालों की जांच कराएगी सरकार, नेगेटिव मिलने पर लगाया जाएगा टीका

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय में दिया गया प्रशिक्षण

PHOTON NEWS DHANBAD : राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 2025 के अंत तक टीबी को पूरे देश से खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत अब टीवी रोगियों के साथ रह रहे लोगों की जांच की जाएगी। जो मरीज संक्रमण से नेगेटिव पाए जाएंगे, जिनमे टीबी की पुष्टि नहीं होगी, वैसे मरीज को साइ टीबी टीका लगाया जाएगा। यह बातें सिविल सर्जन डॉक्टर चंद्रभानु प्रतापन ने सोमवार को अपने सभागार में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कहीं। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन को लेकर पूरे जिले में 100 दिन का विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब घर-घर जाकर वैसे मरीज के स्वजनों की पहचान की जा रही है, जो संक्रमण की जद में आ सकते हैं। मौके पर जिला टीबी पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मेडिकल अफसर डॉक्टर अमित कुमार तिवारी समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

प्रशिक्षण शिविर में सिविल सर्जन के अन्य ● फोटोन न्यूज

धनबाद में 3500 मरीज

धनबाद में टीबी से ग्रसित लगभग 3500 मरीज सक्रिय है। इन मरीजों को विभाग की ओर से दवा चलाई जा रही हैं। समान मरीजों को 6 से 8 महीना का कोर्स चलाया जा रहा है। जबकि मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट मरीजों को 2 वर्ष के कोर्स की दवा चलाई जा रही है।

मरीज के साथ रह रहे घरवालों की तीन तरीके से होगी जांच

डॉ सुनील कुमार ने बताया कि मरीज के साथ रह रहे घर वालों को टीवी से बचने के लिए अब तीन तरीके से जांच की जा रही है। मरीज की पहले खखार की जांच की जा रही है। इससे बीमारी पकड़ में नहीं आने पर एक्स-रे कराया जा रहा है। इसमें भी बीमारी पकड़ नहीं आने पर 24 घंटे के मॉन्टेक्स परीक्षण की जा रही है। जब इसमें भी मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है, तब उन्हें साइ टीबी वैक्सीन लगाया जाएगा और इससे यह तय होगा कि मरीज पूरी तरीके से टीवी मुक्त है। यह अभियान पूरे जिले भर में शुरू हुआ है। धनबाद को 228 वैक्सीन मिले हैं।

हॉस्पिटल के पास मिला नवजात का शव

PALAMU : जिला मुख्यालय डालटनगंज शहर के आबादगंज मोहल्ले में सोमवार को आर्यन हॉस्पिटल के पास एक नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शव की स्थिति अत्यंत विभत्स थी। कुत्तों ने शव का आधा हिस्सा नोच डाला था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने इसे गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम को मौके पर भेजा। उनके निर्देश पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना को लेकर पूर्व वार्ड पार्षद मनोज सिंह ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा, ह्रयह मामला बेहद गंभीर है। ऐसा मामला पहले भी देखा गया है। खासकर इस हॉस्पिटल के आसपास पहले भी कई बार संदिग्ध परिस्थितियों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं।ह्व उन्होंने हास्पिटल के डॉक्टर पर भी गंभीर आरोप लगाए। मनोज सिंह का कहना है कि, ह्याइनके अस्पताल के आस-पास पहले भी कई बार इस तरह की घटनाएं घट चुकी हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और इस बात का पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि शव को वहां किसने फेंका।

मनरेगा में खराब प्रदर्शन करने वाले बीडीओ पर डीडीसी ने जताई नाराजगी

PHOTON NEWS HAZARIBAG : उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। इस बैठक में डीआरडीए निदेशक मां देव प्रिया एवं जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी मौजूद थे। समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में उपविकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना, अम्बेडकर आवास योजना, अबुआ आवास योजना, मनरेगा अंतर्गत बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा, आंगनबाड़ी योजना की प्रगति, बिरसा हरित ग्राम योजना, बागवानी योजना, वीर शहिद पोटो हो खेल विकास योजना, पीड़ी जेनरेसन जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उप विकास आयुक्त ने प्रखंडवार मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति में लक्ष्य के विरुद्ध कम प्रदर्शन करने वाले बीडीओ व बीपीओ पर अप्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कम प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों के बीडीओ को कार्य की प्रगति में सुधार करने और क्रियान्वित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया।

पोटो हो खेल योजना अंतर्गत खेल के मैदान को विकसित करने के लिए पंचायतों के उच्च विद्यालय,मध्य विद्यालय के मैदान को चिन्हित करने को कहा।

मीटिंग करते हजारीबाग के डीडीसी व अन्य अधिकारी ● फोटोन न्यूज

आजसू ने पोस्टकार्ड के जरिए ट्रैफिक पुलिस की कार्यशैली पर उठाया सवाल

PHOTON NEWS JSR : शहर में ट्रैफिक पुलिस की कथित सख्ती और आम नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार के खिलाफ आजसू पार्टी ने सोमवार को पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया। इस अभियान की शुरूआत स्थानीय स्टेशन चौक से की गई, जहां बड़ी संख्या में आम लोग और पार्टी कार्यकर्ता जुटे। इस दौरान आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि पुलिस की कार्यशैली अब अपराधियों के मुकाबले आम नागरिकों के लिए ज्यादा कठोर होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ हेलमेट न पहनने या कागजात की हल्की खामी पर वाहन चालकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

ये थे उपस्थित : कार्यक्रम में पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजय मालाकार, कमलेश दुबे, अप्पू तिवारी, मृत्युंजय सिंह ललन झा, चंद्रेश्वर पांडेय, आनंदी ओझा, संजय करुआ, महिला कार्यकर्ता संगीता कुमारी, पुष्पा देवी, लक्ष्मी देवी समेत अन्य शामिल थे।

धरने पर बैठे आजसू के जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह व अन्य कार्यकर्ता

पुलिस दिखा रही सख्ती, लेकिन अपराधियों पर नहीं : कन्हैया सिंह

कन्हैया सिंह ने करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि पुलिस आम जनता पर तो सख्ती कर रही है, लेकिन अपराधियों को पकड़ने में नाकाम है। हत्या जैसी घटनाएं दिनदहाड़े हो रही हैं, और पुलिस बस मूकदर्शक बनी रहती है। उन्होंने कहा, पुलिसकर्मी वाहन चेकिंग के नाम पर जनता को घंटों रोकते हैं, अपमानित करते हैं, जबकि बड़े अपराधी सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं।

मुख्यमंत्री को लिखा विरोध पत्र, सड़क पर उतरने की चेतावनी

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हस्ताक्षरयुक्त विरोध पत्र (पोस्टकार्ड) भेजना है, जिससे सरकार तक आम जनता की नाराजगी पहुंचे। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन इस पर गंभीर नहीं हुआ तो आजसू पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

चिड़ियाघर में लेपर्ड और लॉयन के लिए बनाए गए नए भव्य बाड़े, हुआ उद्घाटन

टाटा जू में नागपुर से आए दो टाइगर, चेन्नई से आएगा मगरमच्छ

PHOTON NEWS JSR : मरीन ड्राइव स्थित 70 एकड़ में फैले टाटा जू में जानवरों की संख्या में धीरे धीरे इजाफा हो रहा है। यहां नागपुर के बाला साहेब ठाकरे जूलॉजिकल पार्क से दो नए टाइगर आए हैं। टाटा जू में अब इन दो नए टाइगरों को मिला कर इनकी संख्या चार हो गई है। टाटा जू में पहले से ही दो टाइगर मौजूद थे। टाटा जू में जल्द ही एक नया मगरमच्छ लाया जाएगा। इसके लिए चेन्नई के जू से बातचीत चल रही है। यह मगरमच्छ पिछले साल ही आने वाला था। मगर, किसी कारण से योजना कामयाब नहीं हो पाई थी। मगर, इस साल चेन्नई से मगरमच्छ लाया जाएगा।

टाटा जूलोजॉकिल सोसायटी के प्रेसीडेंट चाणक्य चौधरी ने बताया कि कोई भी जू जानवर एक्सचेंज में देता है। नागपुर को ग्रे अफ्रीकन पैरट भेजा गया है। उन्होंने बताया कि कभी कभी अगर किसी जू में जानवरों की संख्या अधिक हो जाती है और वह जानवर उस जू में अतिरिक्त हो जाते हैं तो उन्हें किसी दूसरे जू को दे दिया जाता है।

बाड़े का उद्घाटन करते टाटा जू के प्रेसिडेंट चाणक्य चौधरी व अन्य

बाड़ों में कांच से बनी व्यूइंग गैलरी

नए जानवरों की संख्या बढ़ने की वजह से टाइगर और लॉयन के लिए दो नए बाड़े बनाए गए हैं। इन नए बाड़ों का उद्घाटन सोमवार को टाटा स्टील जूलोजिकल सोसायटी के अध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने किया। इन नए बाड़ों को टाटा स्टील यूआइएसएल ने बनाया है। इन बाड़ों में कांच से बनी व्यूइंग गैलरी और ओपन टाइप डिजाइन है, जिससे दर्शक बिना बाधा के जानवरों को करीब से देख सकते हैं। मुख्य प्रदर्शनी क्षेत्र में जानवरों को प्राकृतिक माहौल के करीब रखा गया है। मांसाहारी जानवरों के बाड़े के आसपास पेड़ पौधे अधिक होने चाहिए। इसीलिए यह बाड़े ऐसी जगह बनाए गए हैं जहां पेड़ों की भरमार है। ये दोनों बाड़े क्षेत्र में शेरों और बाघों के लिए सबसे अच्छे बाड़ों में से एक माने जा रहे हैं।

दो शावक भी बने नए मेहमान

टाटा जू में तीन शेर हैं। यह अफ्रीकन शेर हैं। यहां लेपर्ड्स भी पहले से हैं। कुछ दिन पहले दो शावक भी पैदा हुए हैं। इनमें से एक शावक नर और दूसरा शावक मादा है। अब गर्मी आ गई है। जू में इन शावकों के लिए अगल से इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि इन्हें अच्छे से रखा जा सके। जू में गर्मी, सर्दी और बरसात में जानवरों के लिए खास प्रबंध किए जाते हैं।

मेघना व रुद्रा रखा गया नाम

नागपुर से आए टाइगरों का नामकरण भी हो गया है। जू के अधिकारियों ने इसके लिए जमशेदपुर के लोगों के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता में 351 लोग शामिल हुए। इन लोगों ने तरह-तरह के नाम भेजे हैं। ज्यूरी ने इसमें से मेघना और रुद्रा नाम छांटे हैं। नागपुर से आए इन टाइगरों का नाम रुद्रा और मेघना रखा गया है।

पहले से रह रही हैं सलोनी और सुनैना

बाड़े में पहले से ही टाटा जू की दो बाघिन रह रही थीं। इनका नाम सलोनी और सुनैना है। दो नए मेहमान नागपुर से आने की सूचना के बाद बाड़े के आकार को और बड़ा किया गया है।

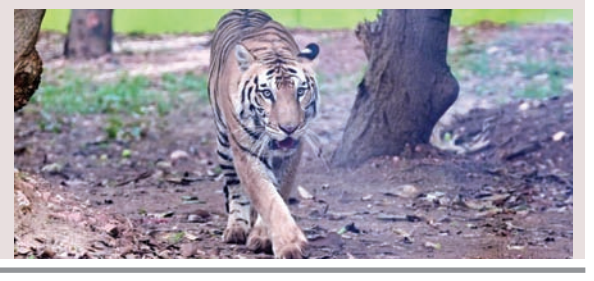

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
03
www.thephotonnews.com
Tuesday, 22 April 2025

BRIEF NEWS

अक्षय तृतीया पर टीबीजेड में आकर्षक ऑफर्स की बहार

RANCHI : अक्षय तृतीया और वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए टीबीजेड अपने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स पेश किया हैं। इस पावन अवसर पर ग्राहकों को सोने के गहनों की मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 50% की छूट और हीरे के गहनों पर नो मेकिंग चार्ज का लाभ उठा सकते हैं। फ्रेंचाइज ऑनर संचित राजगढ़िया ने बताया कि सोने की बढ़ती कीमत को देखते हुए 111 रुपये प्रति ग्राम की अतिरिक्त छूट भी दी जा रही है। साथ ही लोग मासिक किस्त योजना ह्यकल्पवृक्षह्न के तहत 20% तक का बोनस और हर खरीदारी पर सुनिश्चित उपहार भी दिया जा रहा हैं। इस अवसर पर एक्सक्लूसिव गोल्ड, डायमंड और ब्राइडल कलेक्शन भी लॉन्च किया है, जिसमें पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का खूबसूरत संगम देखने को मिलेगा।

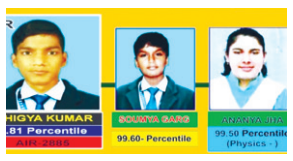

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन में किया शानदार प्रदर्शन

RANCHI : एनटीए द्वारा आयोजित जेईई मेन-2025 के फाइनल परिणाम में हरमू रोड स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स का उत्साहजनक रिजल्ट रहा। स्कूल के अभिज्ञ कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.81 परसेंटाइल के साथ आल इंडिया रैंक 2885 हासिल किया और टॉपर लिस्ट में अपनी जगह बनाई। इसके साथ ही स्कूल के सौम्य गर्ग ने 99.60 परसेंटाइल और अनन्या झा ने 99.50 परसेंटाइल हासिल करते हुए मान बढ़ाया। इस प्रदर्शन से स्कूल के स्टूडेंट्स एवं शिक्षकों में खुशी की लहर है। सभी ने स्टूडेंट्स के उज्जवल भविष्य की कामना की।

30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करने पर 10% छूट देगा निगम

RANCHI : रांची नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करनेवालों को 10% छूट देने की सूचना जारी की है। इसके लिए नागरिकों की सुविधा हेतु निगम कार्यालय और डोरंडा अंचल कार्यालय के जन सुविधा केन्द्र सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक संचालित होंगे। इच्छुक लोग ऑनलाइन तरीके से भी निगम की वेबसाइट से टैक्स भुगतान कर सकते हैं। निगम और डोरंडा अंचल कार्यालय के जन सुविधा केन्द्र में जाकर भी इसे किया जा सकता है। श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स के टैक्स कलेक्टर डोर टू डोर कलेक्शन पर होंगे। उनकी भी मदद ली जा सकती है। सीनियर सिटिजन, ट्रांसजेंडर, दिव्यांग और रक्षा सेवा से जुड़े लोगों को अतिरिक्त 5% की छूट मिलेगी।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल पर चार्जशीट के खिलाफ आक्रोश

जंजीर बांधकर ईडी कार्यालय के सामने कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI : नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर चार्जशीट करने के विरोध में झारखंड युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने हाथ में जंजीर लगाकर रांची में ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज के नेतृत्व में बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने आक्रोश मार्च के रूप नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे और मुख्य गेट के सामने ही धरने पर बैठ गए। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि ईडी ने केंद्र के इशारे पर उनके नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है। अभिजीत राज ने कहा कि जब बीजेपी के इशारे पर ही ईडी को कार्रवाई करनी है तो युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता खुद हाथ में जंजीर लगाकर ईडी दफ्तर पहुंचे हैं, हमें भी गिरफ्तार करें।

ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते झारखंड युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

- प्रदर्शनकारी प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे और मुख्य गेट के सामने ही धरने पर बैठ गए
- अभिजीत राज ने कहा ईडी ने केंद्र के इशारे पर उनके नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल की है चार्जशीट

केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ युवा कांग्रेस करता रहेगा आंदोलन : उज्ज्वल तिवारी

युवा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उज्ज्वल तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ लगातार युवा कांग्रेस नेता आंदोलन करते रहेंगे। उज्ज्वल तिवारी ने कहा कि देश को निजी हाथों में सौंपने को आतुर बीजेपी सरकार के खिलाफ कांग्रेस और राहुल गांधी की आवाज को दबाने के लिए उनके नेताओं पर नेशनल हेराल्ड के गलत मामले में चार्जशीट की गई है।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर रहे युवा कांग्रेस के नेताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव को भी हिरासत में लेकर डोरंडा थाना पुलिस ले गई। यूथ कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए थे कांग्रेस विधायक दल के नेता।

बीएमएस प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से की मुलाकात

RANCHI : भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रदेश के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से उनके रांची स्थित आवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मजदूरों की विभिन्न समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री किशोर से धनबाद आईआईटी से जो मजदूरों को सेवा से निकाल दिया है, इस संबंध में अवगत कराया। इस पर मंत्री ने विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। साथ ही झारखंड प्रदेश में 108 एम्बुलेंस में सेवा दे रहे कर्मियों की समस्याओं के संबंध में बातें हुई। इस पर मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि इस संबंध में उचित कार्रवाई कर समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा। भारतीय मजदूर संघ की ओर बताया गया कि जिन विषयों पर बातचीत हुई है, उनका जल्द से जल्द निराकरण का आश्वासन मंत्री ने दिया है। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, संगठन मंत्री बृजेश कुमार, वित्त सचिव चंदन प्रसाद शामिल थे।

एनआरएचएम घोटाले में प्रमोद सिंह सहित तीन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

PHOTON NEWS RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने एनआरएचएम घोटाले में प्रमोद सिंह सहित तीन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। आरोपियों की सूची में प्रमोद की पत्नी प्रिया सिंह और पिता आदित्य नारायण सिंह का नाम शामिल है। इन तीनों पर 9.39 करोड़ रुपये की मनी लाउंड्रिंग का आरोप लगाया गया है। इस राशि का इस्तेमाल पल्स पोलियो सहित स्वास्थ्य से जुड़े दूसरे काम में किया जाना था। ईडी ने आरोपियों द्वारा किए गए अपराध का पीएमएलए की धारा 3, 4 के तहत दंडनीय बताया है। आरोप पत्र मे कहा गया है कि प्रमोद सिंह धनबाद जिले के झरिया और जोड़ापोखर प्रखंज मे ब्लॉक अकाउंट्स मैनेजर के रूप में पदस्थापित था। उसे वेतन के रूप में 17 हजार रुपये मिलते थे।

तत्कालीन चिकित्सा पदाधिकारी शशिभूषण प्रसाद और प्रमोद सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर से एनआरएचएम के बैंक खाते से पैसा निकालने का अधिकार था। इस राशि को पल्स पोलियो, ट्रेनिंग और मानदेय में खर्च करना था। प्रमोद सिंह ने चिकित्सा पदाधिकारी से मिल कर 9.39 करोड़ रुपये की निकासी गलत तरीके से की और इसे निजी काम में इस्तेमाल किया।

शशि भूषण की हो चुकी है मौत : अब शशि भूषण सिंह की मौत हो चुकी है। प्रमोद ने अपने स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक स्थित खाते में 3.95 करोड़ ट्रांसफर किया। उसने अपनी पत्नी प्रिया सिंह के बैंक खाते में चेक संख्या 477268 के सहारे 10 लाख रुपये ट्रांसफर किया। इसके बाद प्रिया सिंह के खाते से इसे मेसर्स सहयोगी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के खाते में ट्रांसफर कर सहयोगी नगर में जमीन खरीदी गई। पूछताछ के दौरान प्रमोद और प्रिया सिंह ने कहा कि जमीन खरीदने के लिए सोसाइटी को जो पैसा दिया गया था, वह प्रिया की मां ने दिया था।

> 9.39 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का लगाया गया है आरोप
>
> पल्स पोलियो सहित स्वास्थ्य से जुड़े दूसरे काम में किया जाना था राशि का इस्तेमाल

पत्नी, पिता और माता के नाम पर खरीदी संपत्ति

प्रमोद सिंह ने सरकारी पैसा निकाल कर मनी लॉन्ड्रिंग की और इससे अपनी पत्नी, पिता और माता के नाम पर संपत्ति खरीदी। इस काम के लिए उसने अपने करीबी लोगों अश्विनी कुमार शर्मा, विजय कुमार सिंह और अरुण कुमार सिंह के बैंक खातों और एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया। जालसाजी कर निकाले गये 9.39 करोड़ रुपये में से 4.45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल प्रमोद ने किया। प्रमोद ने 1.63 करोड़ रुपये की लागत पर अचल संपत्ति खरीदी। प्रमोद की पत्नी प्रिया सिंह के खाते में झरिया और जोड़ापोखर से कुल 18.66 लाख रुपये ट्रांसफर किये गये। जांच पड़ताल के दौरान प्रिया सिंह ने यह दावा किया कि उसने अपनी मां से कर्ज के रूप मे नकद 30 लाख रुपये लिए थे। इसका इस्तेमाल संपत्ति खरीदने में किया गया। हालांकि वह अपने दावे को साबित नहीं कर सकी।

रांची में सिलेंडर लेकर महिला कांग्रेस का प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ लगाए नारे

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को रांची में प्रदर्शन किया। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की बढ़ोतरी, बेतहाशा बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था और मोदी सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ झारखंड महिला कांग्रेस ने राजधानी के अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया। झारखंड प्रदेश महिला अध्यक्ष गुंजन सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने शहीद चौक से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक आक्रोश मार्च किया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने सिर पर सिलेंडर उठाये कहा कि आज देश की जनता महंगाई से त्रस्त है। रसोई गैस सिलेंडर, मूल्य वृद्धि, बेतहाशा बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था के लिए केंद्र की मोदी सरकार जिम्मेवार है। गुंजन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा की नीतियां गरीब विरोधी होती है।

उन्होंने कहा कि पहले गैस सिलेंडर के दाम में मामूली वृद्धि होने पर बीजेपी सड़क पर उतर जाती थी। वह आज कहीं नहीं दिखते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि महंगाई और खासकर घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत के बढ़ने से मध्यम वर्ग का बजट गड़बड़ा गया है। प्रदेश महिला अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने महंगाई से मुंह मोड़ लिया है। इनका एकमात्र उद्देश्य है कि कैसे निजी कंपनियों की जेब भरी जाए। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि देश की महिलाओं और गरीब परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए।

गुंजन सिंह ने कहा कि आज देश भर की महिलाएं महंगाई से त्रस्त हैं और वे हमारे साथ आंदोलन में जुड़ रही हैं। गुंजन सिंह ने कहा कि चुनावी जुमले देने वाले देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जवाब दें और तत्काल कदम उठाते हुए रसोई गैस, डीजल पैट्रोल और महंगाई से तुरंत राहत दें।

महंगाई को लेकर विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में सुंदरी तिर्की, पार्वती सिंह, नीलम सहाय, पार्वती सिंह, सीमा साहू, सरिता देवी, रीना सांगा, अंजू देवी, मेरी तिर्की, सहनाज खातून, शीला उरांव, अनीता सिंह, पूजा कुमारी, कंचन कुमारी दास, महिमा सिन्हा, अंजू कुमारी, अनुराधा, मीना देवी आदि शामिल थीं।

रिम्स के निवर्तमान निदेशक डॉ. राजकुमार बोले - सम्मान के लिए ली न्यायालय की शरण

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स के निवर्तमान निदेशक डॉ. राजकुमार ने झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उन्होंने न्यायालय से इंसाफ की गुहार लगाई है और कहा है कि जो आरोप लगाकर उन्हें पद से हटाया गया है, वह बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि अगर उनसे रिम्स गवर्निंग काउंसिल की बैठक में या उसके बाद भी इस्तीफा देने को कहा गया होता तो वह बिना एक मिनट भी गंवाए रिम्स निदेशक के पद से इस्तीफा दे देते, लेकिन जिन आरोपों के साथ उन्हें अपमानित कर के पद से हटाया गया, ऐसे में उनके पास न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। डॉ. राजकुमार ने कहा कि अगर उन लोगों ने पहले बोल दिया होता तो वह स्वयं इस्तीफा दे देते। उन्होंने कहा कि जीवन भर सही काम किया, कभी कोई गलत काम नहीं किया और न ही कभी गलत तरीके से पैसे कमाए। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी बात भी रखने का समय नहीं दिया गया। प्रूफ रखने का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि आरोपों के साथ जाना उन्हें मंजूर नहीं है। ऐसे में वह न्यायालय की शरण में आये हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी याचिका के साथ कई प्रमाण भी संलग्न किए हैं।

क्यों पद से हटाए गए डॉ. राजकुमार

रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने 17 अप्रैल की रात तत्काल प्रभाव से रिम्स निदेशक के पद से हटा दिया था। उस समय डॉ. राजकुमार दिल्ली में थे। उन पर प्रशासनिक अक्षमता की वजह से पद से हटाने की बात कही गई थी। पत्र में लिखा गया था कि निदेशक के पद पर कार्यरत रहने के दौरान मंत्रिपरिषद, शासी परिषद तथा विभाग द्वारा लोकहित में दिए गये निर्णय और निर्देशों का पालन नहीं किया गया तथा रिम्स अधिनियम, 2002 द्वारा निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण करने में डा. राजकुमार की सेवा संतोषजनक नहीं पायी गयी है। अतः रिम्स नियमावली 2002 के नियम-9 (vi) के तहत लोकहित में डा. राजकुमार को तीन महीने का वेतन एवं भत्ता देते हुए तत्काल प्रभाव से निदेशक, रिम्स के पद से हटाया जाता है। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त होने की बात भी कही गई थी।

अपराध का गढ़ बन चुका है झारखंड : बाबूलाल

RANCHI : जमशेदपुर में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुख जताते हुए एक्स पर पोस्ट कर रहा कि जमशेदपुर में करनी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विनय सिंह की गोली मारकर हत्या किये जाने की दुखद सूचना प्राप्त हुई। मरांडी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड के प्रमुख शहर अब अपराध का गढ़ बन चुके हैं। जमशेदपुर में पिछले कुछ दिनों से लगातार गोलीबारी और हत्या की खौफनाक वारदातें सामने आ रही हैं।

हम संविधान के दायरे में रहकर करेंगे वक्फ एक्ट का विरोध : मौलाना इकबाल

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को हुसीर ईदगाह मैदान में कांके क्षेत्र और उसके आसपास के ओहदेदार सदर, सेक्रेटरी, मदरसा, मस्जिद कमेटी ओहदेदार की मीटिंग हुई। अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद एनुअल हक अंसारी और संचालन मदरसा अशरफिया के नाजिम हजरत मौलाना नैय्यर इकबाल ने किया। बैठक में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा गाइडलाइन पर चर्चा की गई। मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष हजरत मौलाना साबिर ने कहा के बोहरा कोई मुसलमान नहीं है आप लोग धोखा में ना आएं। आपका ईमान का टेस्ट लिया जा रहा है। मोदी सरकार ईमान को खत्म करने की साजिश रच रही है। पर्सनल लॉ बोर्ड का गाइडलाइन है कि 30 अप्रैल को रात्रि 9 बजे ब्लैक आउट करे। यानी घर, मकान, दुकान का लाइट ऑफ कर दे, आधे घंटे बाद 9:30 बजे ऑन करने की अपील की। वहीं मौलाना नैय्यर इकबाल ने कहा कि यह जमीन बचाने की लड़ाई नहीं है ईमान बचाने की लड़ाई है। हम संविधान के दायरे में रहकर इस काले कानून का विरोध करेंगे।

सद्गुरु आश्रम को दी इलेक्ट्रॉनिक ऑटो व स्कूटी

RANCHI : कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट की ओर से सद्गुरु आश्रम के लिए इलेक्ट्रॉनिक ऑटो और स्कूटी दी गयी। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के लिए बाबूलाल प्रेम कुमार ग्रुप के प्रोपराइटर पंकज कुमार पोद्दार और उनके पूरे परिवार ने सोमवार को एक इलेक्ट्रॉनिक ऑटो और एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी दी। प्रणामी ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने पोद्दार परिवार के सेवा भावना की सराहना की और आभार प्रकट किया। मौके पर उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। वहीं अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि पिछले 15 माह से सद्गुरु अपना घर आश्रम में रह रहे 37 दिव्यांग निराश्रितों की बेहतर देखभाल की जा रही है।

झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक ने वर्चुअल मीटिंग के साथ की शुरुआत

ड्रॉप आउट बच्चों को स्कूल से जोड़ने का अभियान शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार से स्कूल रुआर-2025 बैक टू स्कूल अभियान की शुरुआत हुई। इसकी शुरुआत झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने वर्चुअल बैठक के साथ की। इस राज्यस्तरीय वर्चुअल बैठक में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ममता लकड़ा समेत सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी भी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि स्कूल रुआर-2025 अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना तथा ड्राप बॉक्स के बच्चों/आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। राज्य स्तर से लेकर संकुल और विद्यालय स्तर तक इस अभियान का असर दिखना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों को सलाह देते हुए कहा कि दिखावे से दूर रहे, धरातल पर काम दिखाएं। कोई भी बच्चा अनामांकित ना रहे, यह सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय पदाधिकारी लगातार टक्र में प्राप्त डाटा का विश्लेषण कर अभियान की निगरानी करें। उन्होंने पदाधिकारियों को समय पर अभियान के सफल क्रियान्वयन का निर्देश दिया। झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक ने कहा कि आगामी राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में अभियान की सफलता और इसके क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी।

16000 बालवाटिका में भी इस वर्ष से नामांकन

शशि रंजन ने कहा कि इस वर्ष से राज्य में संचालित 16000 बालवाटिका में भी नामांकन शुरू हो गया है। प्री प्राइमरी शिक्षा के लिए बच्चों को बालवाटिका से जोड़ें। उन्होंने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विद्यालय में कैंप लगाकर दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बच्चों का डाटा ई-विद्यावाहिनी तथा वढ्ढरए पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया। परियोजना निदेशक ने सभी जिलों में चाइल्ड एंटाइटलमेंट से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि गर्मी की छुट्टियों से पहले बच्चों को स्कूल बैग, किताब, कॉपी, स्टेशनरी, छात्रवृत्ति और यूनिफॉर्म जैसी आवश्यक सामग्रियाँ वितरित की जाएं, ताकि बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। बैठक में श्री रंजन ने ज़िला शिक्षा पदाधिकारियों को इस कार्य को प्राथमिकता देने और समयबद्ध ढंग से पूरा करने की सख्त हिदायत दी।

कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ममता लकड़ा ने कहा कि सभी स्कूलों में स्कूल रुआर-2025 अभियान व्यापक पैमाने पर चलाएं। आयु वर्ग 5 से 18 तक का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे। उन्होंने समाज कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए अभियान के सफल क्रियान्वयन का निर्देश दिया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने इस अभियान में गैर सरकारी संगठनों का सहयोग लेने का भी निर्देश दिया। कहा कि बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए रचनात्मक प्रयासों पर जोर दें। जो बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके घरों में जाकर अभिभावकों से बात करें।

हरिहरपुर जामटोली में आंधी-तूफान से कच्चा मकान क्षतिग्रस्त

RANCHI : बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव स्थित बेहराटोली निवासी सुरेश गोप का कच्चा मकान रविवार की शाम आए तेज आंधी-तूफान में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज हवा में एस्बेस्टस का छप्पर उड़ गया जिससे सुरेश गोप का पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया लक्ष्मी कोया और पंचायत के पूर्व मुखिया सह समाजसेवी युवा नेता सुनील कच्छप मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। जनप्रतिनिधियों ने सुरेश गोप को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से जल्द मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लग्जरीयंस क्लब का हुआ उद्घाटन अब टैलेंट को मिलेगा प्लेटफॉर्म

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में लग्जरीयंस क्लब एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड का उद्घाटन पीपी कंपाउंड स्थित बंसल प्लाजा में हुआ। क्लब का उद्घाटन अजय नाथ शाहदेव और कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने किया। लग्जरीयंस क्लब द्वारा लाइव कंसर्ट, पुल पार्टी, गेम कॉम्पीटिशन, स्टैंडअप कॉमेडी सहित कई मनोरंजन के इवेंट्स कराए जाएंगे।

उद्घाटन के मौके पर कुमार राजा ने कहा कि इस तरह के प्लेटफॉर्म से रांची में युवाओं को खुद को आगे बढ़ाने में काफी मिलेगी।

मौके पर लग्जरीयंस क्लब के संचालक मो. साहेब और मो. अरमान, मो. मुमताज सहित कई लोग उपस्थित थे।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने लौहनगरी को दिया तोहफा

बनेगा एक नया मेडिकल कॉलेज, 500 करोड़ रुपये से सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का भी होगा निर्माण

PHOTON NEWS JSR:
जमशेदपुर में एक नया मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इस संबंध में डीसी अनन्य मित्तल से नए मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन उपलब्ध कराने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन नए मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन की खोज में जुट गया है। इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण तीन साल के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सोमवार को सिदगोड़ा टाउन हाल में आयोजित एनआरएचएम के नियुक्ति वितरण समारोह में दी। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि जब एमजीएम कॉलेज अस्पताल डिमना स्थित नए अस्पताल में शिफ्ट हो जाएगा तो साकची स्थित पुराने एमजीएम अस्पताल को तोड़कर यहां 500 करोड़ रुपए की लागत से सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने ऐलान किया है कि एमजीएम कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था को फौरन ठीक किया जाएगा।

इरफान अंसारी ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में डीसी अनन्य मित्तल को निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग भी इस काम में जुट गया है। वर्तमान एमजीएम अस्पताल में टीएमएच जैसा इलाज होगा।

सिदगोड़ा टाउन हॉल में एनआरएचएम के नवनियुक्त कर्मियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री व शिक्षा मंत्री ● फोटोन न्यूज

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य विभाग विभिन्न अस्पतालों में खाली पड़े 1000 पदों को भरेगा। तकनीक और गैर तकनीक पदों पर बहाली की जाएगी।

इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए एक हफ्ते की मोहलत दी है। इरफान अंसारी ने कहा कि अस्पताल में आने वाले गरीबों का समुचित इलाज हो। अगर एक हफ्ते के अंदर व्यवस्था नहीं सुधरी तो हम तुम्हें सुधार देंगे।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि आज जो नियुक्ति पत्र बांटा जा रहा है वह साल 2006 का बैकलाग है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि उनकी सभी जिले के अधिकारियों से बात हुई है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जितना भी बैकलाग है उसे भरा जाए। सभी अस्पतालों की खाली पदों पर बहाली की जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीएमएच में उनका भी इलाज होना चाहिए जिन्होंने टाटा स्टील को जमीन दी थी और जो विस्थापित हुए थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू को भी इस कार्यक्रम में बुलाया गया था। लेकिन इस कार्यक्रम को छोटा समझकर वह नहीं आईं।

इरफान अंसारी ने कहा कि उनको इस तरह के कार्यक्रम में जरूर आना चाहिए। यह बड़ा कार्यक्रम है। जिन लोगों को नियुक्ति पत्र मिल रहा है। उनके लिए यह त्योहार से कम नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारी जाएगी। सभी जिले में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्पेशयलिटी डॉक्टर गांव में जाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वह जमशेदपुर की स्वास्थ्य व्यवस्था देखकर हैरत में हैं।

प्रधानमंत्री के इशारे पर आया है सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ निशिकांत दुबे का बयान : स्वास्थ्य मंत्री

PHOTON NEWS JSR:
स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार की रात जमशेदपुर पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने करनडीह स्थित सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा का घमंड सातवें आसमान पर है। इसीलिए भाजपा नेता सुप्रीम कोर्ट और संविधान पर निशाना साध रहे हैं। इरफान अंसारी ने कहा कि सांसद निशिकांत दुबे ने खुद सुप्रीम कोर्ट पर बयान नहीं दिया है बल्कि प्रधानमंत्री के इशारे पर वह बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उनको फीडबैक दिया और कहा ऐसा बोलो। तब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बयान दिया।

सदर अस्पताल की आईसीयू में बढ़ाए जाएंगे बेड : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी जमशेदपुर पहुंचने के बाद सदर अस्पताल पहुंचे। सदर अस्पताल में उन्होंने वार्ड का निरीक्षण किया। मरीजों से बातचीत की। मरीजों से अस्पताल की कमियों के बारे में जाना। एक महिला ने इरफान अंसारी से इलाज संबंधी शिकायत की तो स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल सर्जन डॉक्टर साहिर पाल को निर्देश दिया कि इस महिला के मरीज का इलाज ठीक से हो। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि निरीक्षण में सामने आया है कि आईसीयू में बेड कम हैं। जितने भी बेड हैं। वह फुल हैं। मरीजों की संख्या ज्यादा है।

एमजीएम अस्पताल में मरीज के परिजन से जानकारी लेते मंत्री ● फोटोन न्यूज

10 पंचायतों की महिलाओं को मिला उपहार

घोड़ाबंधा स्थित प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में गर्भवती महिलाओं की बेहतर स्वस्थ सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 24X7 प्रसूति केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन सिदगोड़ा टाउन हॉल में मंत्री इरफान अंसारी, विधायक मंगल कालिंदी आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस स्वस्थ उपकेंद्र में प्रसूति केंद्र के उद्घाटन से इस क्षेत्र के गोविंदपुर, घोड़ाबंधा,लुआबसा सहित लगभग 10 पंचायतों की गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी और इस क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है।

जिला परिषद सदस्य ने जताया आभार

विधायक मंगल कालिंदी और जिला परिषद सदस्य डॉ पारितोष ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को पुष्प गुच्छ देकर उनका आभार व्यक्त किया और कहा की महागठबंधन की सरकार ने जनता से जो वादा किया है वह हर वादा पूरा करेगी। जिला परिषद डॉ परितोष ने कहा कि वह जिला परिषद क्षेत्र की महिलाओं की कठिनाई को देखते हुए विधायक के आग्रह पर स्वास्थ्य मंत्री ने त्वरित कार्रवाई की है। इसके लिए उनका आभार है।

187 अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

सिदगोड़ा टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एनआरएचएम में संविदा पर नवियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री ने जिले के पटमदा के लावजोड़ा पीएचसी, घोड़ाबांधा पीएचसी एवं पोटका के आसनबनी पीएचसी में लेबर रूम और कोल्ड चेन का उद्घाटन किया है। इसके अलावा पूरे राज्य में हाट-बाजार स्वास्थ्य शिविर अभियान का भी शुभारंभ किया है। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती, डीसी अनन्य मित्तल, सिविल सर्जन डा साहिर पाल आदि मौजूद रहे।

मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को देनी होगी सेवा

मंत्री ने कहा कि झारखंड से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले को 5 साल तक राज्य में अनिवार्य रुप से सेवा देनी होगी। वहीं झारखंड आने वाले एक्सपर्ट डॉक्टरों को दोगुना पैकेज देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश के दूसरे राज्यों में कार्यरत 300-400 डॉक्टर उनके संपर्क में हैं, जो झारखंड आना चाहते हैं।

समाचार सार

टिमकेन वर्कर्स यूनियन : आज से बिकेगा नामांकन फार्म

JAMSHEDPUR : टिमकेन वर्कर्स यूनियन चुनाव की आधिकारिक घोषणा सोमवार सुबह कर दी गई है। चुनाव कार्यक्रम की सूचना कर्मचारियों को नोटिस बोर्ड पर चस्पा करके दी गई। सोमवार को टिमकेन वर्कर्स यूनियन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर वोटर लिस्ट चिपका दिया गया। कंपनी के 170 कर्मचारी 13 ऑफिस बियरर और 15 कमेटी सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। टिमकेन वर्कर्स यूनियन की नई कमेटी वर्ष 2025-2028 के लिए चयनित होगी। यूनियन चुनाव में नामांकन फार्म मंगलवार को बिकेगा, बुधवार को नामांकन फार्म को जमा करना है। गुरुवार को जमा नामांकन फार्म की स्क्रूटनी होगी, स्क्रूटनी के बाद अंतिम तौर पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित होगी, नाम वापसी भी गुरुवार को होगी। शनिवार को कंपनी परिसर में सुबह 8 बजे से 3.30 बजे से मतदान होगा। शाम को 4.30 बजे से मतगणना होगी। 28 अप्रैल को विजेताओं को नाम की घोषणा होगी। इस सबंध में चुनाव पदाधिकारी एसएन सिंह के हस्ताक्षर से पत्र जारी कर दिया गया है।

जरूरी जानकारी : कुल मतदाता- 170 कर्मचारी, कमेटी सदस्य- 15 पद, आफिस बियरर- 13 पद , अध्यक्ष-1 पद, महामंत्री-1 पद, डिप्टी प्रेसीडेंट-2 पद, वाइस प्रेसीडेंट- 4 पद, अस्सिटेंट प्रेसीडेंट- 4 पद और कोषाध्यक्ष-1 पद।

टाटा मोटर्स यूनियन : एक सीट के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स की अधिकृत यूनियन टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के फाउंड्री डिवीजन में रिक्त हुए एक कमेटी मेंबर के सीट पर चुनाव की प्रक्रिया सोमवार को शुरू कर दी गई। कार्यक्रम के अनुसार 21 अप्रैल को चुनाव नियमावली का प्रकाशन होगा।

कब क्या होगा : 21 अप्रैल 2025 को चुनाव नियमावली , चुनाव क्षेत्र संख्या के वोटर लिस्ट का प्रकाशन तथा दावे, प्रतिदावे का आमंत्रण। 22 अप्रैल 2025 को चुनाव क्षेत्र संख्या के वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन एवं नामांकन पत्र का वितरण। 24 अप्रैल 2025 को नामांकन पत्र जमा करने की तिथि , नामांकन पत्र के सूची का प्रकाशन , नामांकन पत्र के जांच की तिथि व वैध उम्मीदवारों के नाम का प्रकाशन। 25 अप्रैल 2025 को नामांकन पत्र वापस लेने की तिथि तथा उम्मीदवारों के फाइनल लिस्ट का प्रकाशन। 26 अप्रैल 2025 को उम्मीदवारों के नामांकन पत्र के नमूने का प्रकाशन। 28 अप्रैल 2025 को मतदान , मतदान के पश्चात मतगणना तथा निर्वाचित सदस्य के नाम की घोषणा।

स्वतंत्रता सेनानी मार्को हो की मनाई गई छठी पुण्यतिथि

GHATSILA : घाटशिला के पावड़ा में झारखंड मुक्ति मोर्चा संपर्क कार्यालय में स्वतंत्रता सेनानी मार्को हो के छठी पुण्यतिथि सोमवार को मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश जगदीश भकत ने कहा मार्को हो ने झारखंड अलग राज्य निर्माण के लिए अपना जीवन आंदोलन के लिए निछावर कर दिया था। उन्हें आर्थिक नाकाबंदी के दौरान सितंबर साल 1993 में हजारीबाग केंद्रीय कारा में एक महीना तक जेल में रखा गया था। इस मौके पर मुखिया हीरालाल सोरेन, प्रणब मुखर्जी, सत्यजीत कुडू, कला चंद सरकार, मदन दलाई,अभिजीत विश्वास, अभिषेक पाल सहित अन्य उपस्थित थे।

बंदगांव अंचल कार्यालय में घुसा सांप

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के अंचल कार्यालय में सोमवार को अचानक एक सांप के घुस आने से अफरा-तफरी मच गई। कार्यालय में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच दहशत का माहौल बन गया। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि पहले भी कई बार कार्यालय परिसर में सांप निकल चुके हैं। अंचलाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि कार्यालय में लगातार सांपों के आने की घटनाएं चिंता का विषय बन गई हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि कर्मचारी भय के माहौल में काम करने को मजबूर हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी क्रिस्टीना रिचा इंदवार ने कहा, ₹लगातार सांपों के आने से सभी पूरी तरह परेशान हैं।

विनय सिंह हत्याकांड

करणी सेना ने हत्यारों को पकड़ने के लिए 48 घंटे का दिया अल्टीमेटम

घटना की तहकीकात में जुटी पुलिस, घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले

PHOTON NEWS JSR:
एमजीएम थाना क्षेत्र के बालीगुमा में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह की रविवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में करणी सेना के वरिष्ठ नेता हरि सिंह राजपूत ने पुलिस प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। हरि सिंह राजपूत ने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि पुलिस प्रशासन 48 घंटे के अंदर हत्यारों को गिरफ्तार करे। उन्होंने चेतावनी दी कि इसके बाद करणी सेना का समय होगा। इसके बाद करणी सेना के लोग घर में घुसकर हत्यारों का मुंह तोड़ जवाब देंगे। हरि सिंह राजपूत ने सभी क्षत्रिय जवानों से आह्वान किया है कि वह जमशेदपुर पहुंचें। हरि सिंह राजपूत ने कहा कि उनके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को धोखे से मारा गया है। इस घटना के बाद शहर का राजनीतिक पारा गर्म हो गया है। पुलिस पर भी घटना का जल्द खुलासा करने का दबाव है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस कई संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। घटनास्थल के आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है। पुलिस को कई अहम जानकारी भी मिली है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले हैं।

टायर जलाकर विरोध जताते लोग व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

बालीगुमा में मिला विनय सिंह का शव

गौरतलब है कि करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। विनय सिंह की लाश एमजीएम थाना पुलिस ने रविवार की रात बरामद किया है। उनका शव एनएच 33 से थोड़ा अंदर 250 मीटर दूर एक खेत के पास मिला है। शव के पास एक देशी कट्टा रखा हुआ था। इससे पुलिस तरह तरह का आकलन करने में जुट गई है।

कार्यकर्ताओं ने किया एनएच 33 जाम

हत्या की इस घटना के बाद करणी सेना के कार्यकताओं में आक्रोश है। कार्यकताओं ने रात को ही डिमना चौक पर पहुंच कर एनएच 33 जाम कर दिया था और टायर जला कर आक्रोश प्रकट किया। कार्यकताओं की मांग है कि विनय सिंह के हत्यारों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अफसरों के आश्वासन के बाद जाम खत्म हुआ था। एमजीएम थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। प्राथमिकी दर्ज करने की भी तैयारी चल रही है।

शराब नहीं पिलाने पर पिस्टल तानकर दी जान से मारने की धमकी, गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR:
सुन्दरनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक देशी कट्टा और चार जिन्दा गोली के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शराब के लिए पैसे न देने पर एक व्यक्ति को कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी। यह मामला उस वक्त सामने आया जब पीड़ित राजू प्रमाणिक नामक व्यक्ति ने सुन्दरनगर थाना पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने शराब के लिए पैसे मांगे, इंकार करने पर देशी कट्टा निकालकर कनपटी पर रखकर धमकी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई और तत्काल शिकायतकर्ता के साथ घटनास्थल पर रवाना हुई। तलाशी अभियान के दौरान तुरामडीह रेलवे फाटक के पास बरगद के पेड़ के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख भागने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की तलाशी में, उसके एंकलेट से एक देशी कट्टा और पैंट की जेब से चार गोली बरामद की गई। गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम सोनाराम किस्कु (उम्र-54 वर्ष) बताया। सोनाराम ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया कि उसने यह कट्टा और गोली उपेंद्र पात्रो नामक व्यक्ति से महज 2000 में खरीदा था। पुलिस ने उपेंद्र पात्रो की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस की ओर से बताया गया है कि उपेंद्र पात्रो की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त सुनाराम किस्कु को देशी कट्टा और जिन्दा गोली के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ● फोटोन न्यूज

विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों की दी गई जानकारी

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, पूर्वी सिंहभूम द्वारा मनीफीट डीबीसी मैदान के निकट स्थित सामुदायिक भवन में स्टूडेंट क्लब की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 11वीं, 12वीं एवं उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों को संगठन से अवगत कराना और उपभोक्ता जागरूकता अभियान को प्रोत्साहित करना था। झारखंड-बिहार क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता केवल ग्राहक नहीं, बल्कि समाज का सक्रिय अंग हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक जागरूकता का भी वाहक बनना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को यह जानना जरूरी है कि उत्पाद या सेवा में गड़बड़ी होने पर उसे शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है, और उपभोक्ता अदालतों के माध्यम से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। बैठक में पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष पप्पू सिंह, प्रभु , जिला प्रचार प्रमुख अंकेश , रवि कुमार पंडित, रॉकी कुमार यादव, साहिल कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

हफीजुल हसन के बयान को लेकर भाजपाइयों ने निकाला आक्रोश मार्च

आक्रोश रैली में शामिल सांसद विद्युत वरण महतो व विधायक पूर्णिमा साहू

JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन द्वारा संविधान दिवस के मौके पर दिए गए विवादित बयान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पूर्वी सिंहभूम महानगर भाजपा की ओर से उपायुक्त कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। भाजपाई सांसद विद्युत वरण महतो और जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के नेतृत्व में आक्रोश मार्च निकाला गया। आक्रोश मार्च में शामिल भाजपाई उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और मंत्री हफीजुल हसन समेत झारखंड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यकताओं ने मंत्री के बयान को संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान बताया। मालूम हो कि मंत्री हफीजुल हसन ने संविधान दिवस के अवसर पर शरीयत को लेकर कुछ बयान दिया था। इस पर विवाद गहरा गया है। भाजपा ने इसे अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी बयान बताते हुए विरोध तेज कर दिया है।

नगर परिषद की लापरवाही पर फूटा लोगों का आक्रोश, कार्यपालक पदाधिकारी के तबादले की मांग

जल संकट से जूझ रहा चक्रधरपुर, महिलाओं ने किया एनएच जाम

CHAKRADHARPUR :
भीषण गर्मी के बीच जब एक वक्त का पानी न मिले तो घर-घर में हाहाकार मचना स्वाभाविक है, लेकिन चक्रधरपुर शहर में बीते 20 दिनों से हालात कुछ ऐसा ही है। वार्ड संख्या 3, 4 और 6 के कई मोहल्लों जैसे पुरानी रांची रोड, ठठेरा मोहल्ला, काली मंदिर और कुम्हार पट्टी में जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। इसके चलते सैकड़ों परिवारों को पीने के पानी तक के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद चक्रधरपुर नगर परिषद की निष्क्रियता से नाराज होकर सोमवार सुबह महिलाओं का सब्र जवाब दे गया। सुबह 7 बजे उन्होंने चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय का मुख्य द्वार तालाबंद कर दिया। इससे सफाई कर्मचारियों का आना-जाना बाधित हो गया। इसके बाद महिलाएं एनएच-75 पर उतर आईं और करीब डेढ़ घंटे तक सड़क जाम कर दिया। इस प्रदर्शन ने जिला प्रशासन और नगर परिषद की नींद तोड़ दी। चक्रधरपुर थाना प्रभारी राजीव रंजन, नगर परिषद के सिटी मैनेजर और बाद में चक्रधरपुर के अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा मौके पर पहुंचे और महिलाओं को समझाने की कोशिश की। महिलाओं ने सड़क से तब तक हटने से इनकार कर दिया जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता कि जलापूर्ति 24 घंटे के भीतर बहाल कर दी जाएगी। सिटी मैनेजर और अंचलाधिकारी के लिखित आश्वासन के बाद महिलाएं सड़क से हटीं। मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं।

एनएच जाम करतीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

क्या है जनता की मांग

स्थानीय महिलाओं का कहना है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जलापूर्ति के वैकल्पिक इंतजाम किए जाने चाहिए, जिसमें अतिरिक्त मोटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो।

क्या है वजह

महिलाओं द्वारा दिए गए ज्ञापन के अनुसार, जलापूर्ति बाधित होने की मुख्य वजह मोटर का जल जाना और उसके मरम्मत में हो रही देरी है। यह दूसरी बार है जब मोटर खराब होने के कारण पानी की आपूर्ति ठप हुई है। बताया जा रहा है कि नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल यादव मोटर मरम्मत के बिल भुगतान में देरी कर रहे हैं, जिससे हालात और बिगड़े हैं।

जल संकट पर सियासत गर्म

जल संकट पर सियासत भी गर्म हो गई है। कांग्रेस अल्पसंख्यक महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष राखी सलूजा, नगर अध्यक्ष रमेश ठाकुर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा समेत कई नेताओं ने राहुल यादव को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बताते हुए उनके तत्काल तबादले की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे अधिकारी सरकार की छवि खराब कर रहे हैं।

BRIEF NEWS

सजगता से ही संभव है स्वस्थ भारत मिशन की सफलता: राजीव

NAVADA : स्वस्थ भारत मिशन की सफलता के उद्देश्य से सोमवार को आदर्श सिटी होम डेवलपर्स के अध्यक्ष प्रसिद्ध व्यवसायी राजीव सिंह के सौजन्य से आदर्श सिटी केंपस में जिम की स्थापना की गई। ताकि स्वस्थ भारत मिशन की परिकल्पना को साकार किया जा सके। सैकड़ो समाज सेवियों की उपस्थिति में आदर्श सिटी के जिम हाल में जिम का उद्घाटन किया गया, जिसका उद्घाटन सेवानिवृत्ति जेलर अर्जुन प्रसाद साहू तथा अध्यक्ष राजीव सिंह ने किया। अध्यक्ष राजीव सिन्हा ने कहा कि इसकी आवश्यकता हर एक लोगों को है। सभी को स्वास्थ्य लाभ करना चाहिए। समिति के सचिव श्रवण कुमार बरनवाल ने कहा की स्वास्थ्य ही धन है।

रक्सौल के सिसवा गांव में भीषण अगलगी, 10 घर जलकर राख

EAST CHAMPARAN : जिला के रक्सौल थाना क्षेत्र के सिसवा गांव में सोमवार की सुबह 3 बजे भीषण अगलगी की घटना में करीब 10 घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में चार भैंस और तीन बकरियों भी जल गयी।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मच्छरों से राहत पाने के लिए पशुओं के पास धुआं किया गया था, जिससे आग लगी और देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। आग लगने के बाद ग्रामीणों ने खुद ही आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन आग की लपटें तेजी से फैलती गईं। बाद में अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची तीन दमकल गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद सुबह करीब 9 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। अगलगी की इस घटना में सिकंदर राय, धुरेन्द्र राय, वीरेंद्र राय, शिवजी राय, राजा राय, सुरेंद्र राय, मोफिल राय और गुड्डू राय के घर पूरी तरह जल गए।

शैक्षणिक सत्र आरंभ होते ही बाल संसद का गठन

BHAGALPUR : जिले के जगदीशपुर प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय खरबा में सोमवार को डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया प्लान इंडिया के अंतर्गत बाल संसद का गठन मतदान के द्वारा किया गया। चुने हुए बाल सांसदों को प्रधानाध्यापक शीला कुमारी के द्वारा शपथ दिलाया गया। साथ ही नवनिर्वाचित मंत्रियों को अपने अपने कर्तव्यों के बारे में समझाया गया। इस अवसर पर डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया प्लान इंडिया के जिला लीड शंभू कुमार सिंह ने कहा कि रैकिट के सहयोग से हाइजीन एजुकेशन कार्यक्रम विद्यालयों में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल्यावस्था से ही बच्चों में स्वच्छता के महत्व को बताते हुए उन्हें स्वच्छ आदतों को अपनाने के लिए जानकारी प्रदान करना एवं स्वच्छ गुणों का विकास करना है। इस कार्यक्रम में बाल सांसदों का बहुत बड़ा योगदान रहता है।

पटना में तेज धूप से बचने की कोशिश करते लोग

अब बिहार में चलेगी प्रचंड लू

सतर्क रहने की हिदायत

मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि बिहार के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में 23 और 24 अप्रैल से हीट वेव(लू) की दस्तक हो सकती है। लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दे दी गई है।

AGENCY PATNA : बिहार का मौसम फिर एकबार करवट लेने वाला है। पिछले कुछ दिनों में बारिश-आंधी ने मौसम का मिजाज बदला। लोग इससे पहले लगातार गर्मी की मार झेल रहे थे, जिससे राहत मिली थी। हालांकि आंधी-पानी और वज्रपात से लगभग 100 लोगों की मौत हुई। वहीं अब मौसम की मार फिर शुरू होने वाली है। कई जिलों का तापमान 40 डिग्री के करीब और उससे पार भी जाने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में हीट वेव की स्थिति बन सकती है। बिहार का अधिकतम तापमान सोमवार से बढ़ने की संभावना है। रविवार को 41 डिग्री के पार भी पारा पहुंच चुका है। बिहार मौसम सेवा केंद्र के अनुसार, रविवार को गया का तापमान 41.8 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि पटना, भोजपुर, सारण, समस्तीपुर, भागलपुर, सिवान बक्सर, अरवल, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, जमुई में तापमान 39 या 40 और कहीं-कहीं 41 डिग्री से भी अधिक दर्ज हुआ है।

इन जिलों में अलर्ट

बिहार मौसम केंद्र के अनुसार, बिहार में अगले तीन दिनों में अधिकांश भागों के अधिकतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। अगले दो दिनों में औरंगाबाद, अरवल, गया, कैमूर और रोहतास में 40 से 42 डिग्री तक तापमान जा सकता है। उष्ण दिवस रहने की संभावना इन जिलों में है।

गिरफ्तार आरोपी के पुलिस अभिरक्षा से फरार होने का मामला

लापरवाही : 12 पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया निलंबित

अंचल पुलिस निरीक्षक की जांच के बाद कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक सागर कुमार

- 05 अवर निरीक्षक, 02 कांस्टेबल व 05 चौकीदार को किया गया निलंबित
- पुलिस ने छह आरोपियों को किया था गिरफ्तार, उनमें से एक आरोपी हो गया फरार

AGENCY KISHANGANJ : जिले के बहादुरगंज थाना से बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में एसपी ने 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। जिसमें 05 अवर निरीक्षक, 02 कांस्टेबल व 05 चौकीदार को निलंबित किया गया है। निलंबित किए जाने वाले पुलिसकर्मियों में अवर निरीक्षक रामबाबू चौधरी, अवर निरीक्षक अंजनी तिवारी, अवर निरीक्षक जिकुल्लाह, अवर निरीक्षक सूरज कुमार, अवर निरीक्षक सावित्री कुमारी, सिपाही जितेंद्र झा, सुरेन्द्र कुमार सुमन शामिल है। इसके अलावा चौकीदार अर्पण कुमार, अशोक लाल, पांडव लाल, विष्णु प्रसाद व सुखदेव शामिल है। रविवार को बहादुरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दो चोरी की बाइक के साथ कुल छह आरोपियों को बहादुरगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों को थाना परिसर में नियमानुसार अभिरक्षा में रखा गया था। उक्त अवधि में बहादुरगंज थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनमें से एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। घटना की सूचना एसपी सागर कुमार को प्राप्त होते ही एसपी ने अंचल पुलिस निरीक्षक बहादुरगंज से तत्काल प्राथमिक जांच करवाई। सर्किल इंस्पेक्टर के जांच प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि आरोपी को सिरिस्ता में बिना किसी प्रभावी सुरक्षात्मक व्यवस्था के लापरवाही पूर्वक रखा गया था। इस कर्तव्यहीनता व शिथिलता के लिए पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

भाजपा जिला कार्यालय में वक्फ सुधार जन जागरण कार्यशाला का आयोजन

AGENCY ARARIA : अररिया भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा की अध्यक्षता में वक्फ सुधार जन जागरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी,स्थानीय सांसद प्रदीप कुमार सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

वक्फ सुधार जन जागरण कार्यशाला में भाजपा नेता

मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने वक्फ संशोधन को गरीब मुसलमानों के लिए हितकर बताया उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन को लेकर विपक्षी पार्टियों के द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है।जबकि यह गरीब और जरूरतमंद मुसलमानों के हित में है। विपक्षी पार्टियों को अड़े हाथों लेते हुए सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। कश्मीर से धारा 370 हटाने और अयोध्या में भगवान राम लाला की प्रतिमा स्थापना से लेकर हरेक मुद्दों पर विपक्षी पार्टियों के द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय में भ्रम फैला कर उन्हें डराने और धमकाने का काम किया जा रहा है।जबकि आज तक किसी भी अल्पसंख्यक का बाल भी बांका नहीं हुआ है।प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विश्वास के साथ सबका विकास में विश्वास रखते हैं। जबकि कुछ लोग वक्फ बोर्ड और अन्य मामलों में चंद लोगों का विकास पर ध्यान देते हुए तुष्टिकरण की नीति अपनाए हुए है। कार्यशाला को प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी, परमानंद ऋषिदेव, नरपतगंज विधायक जयप्रकाश यादव, पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण मेहता, देवयंती देवी, शंभू साह, राजेंद्र यादव, उप मुख्य पार्षद गौतम साह सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

ट्रक और हाइवा की भिड़ंत में तीन लोग गंभीर

BHAGALPUR : पुलिस जिला नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर सोमवार को मवेशी लदे ट्रक और हाइवा के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में ट्रक ड्राइवर समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सड़क पर एक-दूसरे में फंसकर जाम की वजह बन गए।

हरित क्रांति की सफलता के लिए उर्वरक विक्रेताओं को मिली ट्रेनिंग

AGENCY NAVADA : हरित क्रांति की सफलता को ले कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा में सोमवार को खाद व उर्वरक विक्रेताओं के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।वैज्ञानिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न प्रकार के नए उर्वरकों की जानकारी के साथ-साथ समेकित पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उर्वरक के पहचान,फसलवार उर्वरकों की मात्रा,मिट्टी में पोषक तत्व की कमी के लक्षण,मृदा जांच के लिए मिट्टी नमूना लेने की विधि आदि की भी जानकारी दी जाएगी।

पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी को बंधक बना लाखों की चोरी

AGENCY NAVADA : जिले में रजौली नगर क्षेत्र के गोपाल नगर मोहल्ले के निवासी पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अवधेश प्रसाद को घर मे ही बंधक बना अपराधियों ने लाखों का सामान चुरा लिया। पूर्व शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि सोमवार की पहले सुबह अपराधियों ने सोई व्यवस्था में बाहर से दरवाजा बंद कर बंधक बनाकर लाखों रुपये के जबरा तो रुपये उड़ा ले गए । सोमवार को 9:00 बजे जब नींद खुली तो उनका दरवाजा बाहर से बंद था हल्ला करने पर पड़ोसी लोगों में पहुंचे तब उनका दरवाजा खोला। उनके छोटे भाई सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार के घर भी चोरी का प्रयास किया गया था । हालांकि उनके छोटे भाई के यहां से चोरों के द्वारा कोई सामान नहीं ले जाया जा सका है। घटना की सूचना के बाद पहुंचे थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। सेवानिवृत जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि उन लोगों को एक रूम में बाहर से बंद कर दिया गया था।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों को राज्य सरकार ने दी नई जिम्मेदारी

AGENCY PATNA : बिहार प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों को राज्य सरकार ने नई जिम्मेदारी दी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आज अधिसूचना जारी कर दी गई है। औरंगाबाद के उप विकास आयुक्त को हटाकर नए अधिकारी की पोस्टिंग की गई है। पूर्णिया के लेखा प्रशासन निदेशक नीरज नारायण पांडेय को पथ निर्माण विभाग में उप सचिव बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी आनंद प्रकाश को वरीय उप समाहर्ता गया, सारण के जिला भू अर्जन पदाधिकारी सुमन कुमार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में उप सचिव बनाया गया है। शिवहर के वरीय उपसमाहर्ता अनिल कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। शाहपुर पटोरी के भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रियंका कुमारी को स्थानिक आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। गया के वरीय उप समाहर्ता मनीष कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य विभाग पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। वाणिज्य कर विभाग में संयुक्त सचिव कृष्ण कुमार को स्थानांतरित कर अगले आदेश तक पथ निर्माण विभाग का संयुक्त सचिव बनाया गया है। वहीं 2020 बैच की आईएएस अफसर अनन्या सिंह पश्चिम बंगाल कैडर से स्थानांतरित होकर बिहार आई हैं।

चाय दुकानदार की गला रेतकर हत्या मृतक के हाथ से किया गया चाकू बरामद

AGENCY ARARIA : अररिया नगर थाना क्षेत्र में 40 वर्षीय एक चाय दुकानदार मो. कलाम की गला रेत कर हत्या कर दी गई।शव को सोमवार की सुबह जीरो माइल और स्टेशन रोड के बीच एबीसी नहर के किनारे से पुलिस ने बरामद किया है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।हत्या के पीछे एक दिन पहले पैसे लेन-देन को लेकर हुए विवाद में हत्या की धमकी मिलने की बात कही जा रही है।पुलिस इस बिंदु के साथ अन्य बिंदुओं पर हत्याकांड को लेकर मामले की जांच में जुट गई है। एबीसी नहर के किनारे शव मिलने की सूचना के बाद एएसपी रामपुकार सिंह, नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, जहां से शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे।नगर पार्षद आबिद हुसैन अंसारी ने शव की पहचान इस्लामनगर वार्ड संख्या 27 निवासी मो. कलाम के रूप में की। चाय दुकानदार कलाम चाय दुकान के साथ खाली समय में ई रिक्शा भी चलाता था। घर में पत्नी बीवी मुन्नी के साथ दो छोटे छोटे बच्चे हैं। बेटा गुजरात के एक मदरसे में तो बेटी पूर्णिया के मदरसे में पढ़ाई कर रही है। नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मृतक के हाथ से एक चाकू बरामद किया गया है लेकिन उससे हत्या नहीं हो सकती है। मृतक की पत्नी का बयान लिया जायेगा, उसके बाद अन्य बिंदुओं पर भी पड़ताल की जायेगी, हत्यारे की गिरफ्तारी जल्द हीं कर लेने का थानाध्यक्ष ने दावा किया।

पटना में फाइटर जेट भरेंगे उड़ान, स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह को दी जाएगी सलामी

ऐतिहासिक होगा एयर शो का कार्यक्रम : राजीव प्रताप रूडी

AGENCY PATNA : बिहार की राजधानी पटना में पहली बार एयर शो का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। बीजेपी एमपी और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने इस आयोजन की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार जताया है। बीजेपी एमपी राजीव प्रताप रूडी ने पत्रकारों को बताया कि आजादी के बाद पहली बार शौर्य दिवस के मौके पर एयर शो के जरिए भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा वीर कुंवर सिंह को सलामी दी जाएगी।

आज और कल होगा आयोजन

पटना में पहली बार 22 और 23 अप्रैल को लोगों को शानदार एयर शो देखने को मिलेगा। इस दौरान कई लड़ाकू विमानों के शौर्य का प्रदर्शन होगा। जेपी गंगा पथ पर होने वाला यह एयर शो लगभग एक घंटे का होगा। इसका फुल ड्रेस रिहर्सल 22 अप्रैल को किया जाएगा। वायु सेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम इसके लिए 21 अप्रैल को पटना पहुंच गई है। इसके लिए जेपी गंगा पथ अंडरपास से पूर्व की तरफ सभ्यता द्वार के नजदीक गंगा नदी के किनारे कार्यक्रम स्थल चिह्नित किया गया है। इस शो को लेकर पटना की यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

बिहार की जनता का जताया आभार

राजीव प्रताप रूडी ने बिहार की जनता का भी आभार जताते हुए कहा कि वे इस भव्यता के साथ शौर्य दिवस मना रहे हैं। उन्होंने इस शो के प्रचार के लिए पत्रकारों को भी धन्यवाद दिया, जो बिहार के शौर्य दिवस की गाथा घर-घर पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस एयर शो में मेरी छोटी सी भूमिका है। मैं कभी-कभी लड़ाकू विमान भी उड़ाता हूं, कमर्शियल विमान भी उड़ाता हूं। मैं बिहार में यह शो लाना चाहता था और इसे बिहार के लोगों को दिखाना चाहता था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की भी इसमें विशेष भूमिका रही कि एक बड़ा आयोजन बिहार में हो रहा है।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के औचक निरीक्षण से निजी स्कूलों में खलबली

AGENCY BHAGALPUR : जिले के रंगरा प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर स्थित मॉडर्न वैभव पब्लिक स्कूल में सोमवार को सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी भागलपुर बबीता कुमारी के द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा के तहत अध्ययनरत छात्रों की जानकारी सत्र 2022 से 2024 तक का लिया गया। आर टी ई कोटे के छात्रों से भी पूछताछ की गई। अभिभावकों से भी मुफ्त शिक्षा को लेकर फोन पर बातचीत हुई। कार्यक्रम पदाधिकारी ने विद्यालय पंजीयन प्रमाण पत्र, शिक्षकों का ब्यौरा, छात्रों का विवरणी, मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म, छात्रों उपस्थिति पंजी, किताब एवं पोशाक विवरणिका, प्रतिपूर्ति राशि सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन गंभीरता से करते हुए निरीक्षण पुस्तिका पर रिपोर्ट तैयार किया। वहीं डी पी ओ बबीता कुमारी के द्वारा विद्यालय के नाली पर सीवरेज लगाने का निर्देश भी दिया गया। विद्यालय की स्थिति और आर टी ई कोटे की स्थिति से पदाधिकारी संतोषप्रद रहे। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के एपीओ रूस्तम अली, प्रधानाध्यापक विश्वास झा, निर्देशिका शिखा कुमारी, सौरव कुमार, सपना पांडेय, आशीष कुमार, खुशी कुमारी आदि ने मौजूद रहे।

हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में जो हिंसा हुई, वह सुनियोजित थी। यह अब तक की केंद्रीय एजेंसियों की तफ्तीश से काफी कुछ साफ होता जा रहा है। लेकिन, सवाल है कि इस सुनियोजित हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। राज्य प्रशासन की जवाबदेही क्यों नहीं सुनिश्चित की गई। उसकी लापरवाही पर संसद और जिम्मेदार संस्थाएं कब तक एक्शन लेंगीं, क्योंकि विदेशी-देशी साठगांठ से हुई हिंसा में हिंदुओं के जानमाल की क्षति हुई है। ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा। इसलिए उदंड और बेलगाम राजनीति की लगाम कौन कसेगा, यह अब यक्ष प्रश्न है। जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी। लगभग पिछले तीन महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है। प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं। लेकिन, वक्फ संशोधन कानून ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुर्शिदाबाद की हिंसा में विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) जैसे समूह बांग्लादेश बॉर्डर से लगते इलाकों और सुंदरबन डेल्टा में हथियारों की आपूर्ति कर रहे हैं। ये आतंकी संगठन ट्रेनिंग देने के साथ ही प्रोपेगेंडा भी फैला रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन अशांति को बढ़ाने के लिए वैश्विक मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। वे दहशत फैलाने के लिए अफवाह फैलाने में मदद कर रहे हैं। यह उसी तरह है, जैसे सीएए विरोध प्रदर्शनों के दौरान एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता छीनने के रूप में प्रचारित किया गया था। विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों को भी नायक के रूप में महिमामंडित किया जा रहा है। दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे खुफिया एजेंसियों ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। इसके दृष्टिगत देशभर में लगातार सतर्कता बरती जा रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है। फिर भी पहले मुस्लिम आक्रांताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यावहारिक नीतियों को कानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिंदू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया। कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिंदुओं पर हावी होते चले गए। इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्पदायिक विभाजन तक की नौबत आई। इस दौरान हिंदू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। कथित राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए। मसलन बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका और अन्य समाज के जिम्मेदार स्तंभों से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। वे लोग अपने फायदे की बात तो करते रहे, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए। परिणाम यह है कि आज भी आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहां रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भू-भाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है। हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में कुछ अभिजात्य मुसलमान विदेश से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बंगलादेश के ही नहीं, बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालत पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं। लेकिन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भी शायद यह समझ गई हैं कि इस तरह बहुत दिनों तक शासन नहीं किया जा सकता। यही कारण हैं कि दक्षिण कोलकाता के कालीघाट के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि धर्म के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। धर्म का मतलब है भक्ति, स्नेह, मानवता, शांति, सौहार्द, संस्कृति, सद्भाव और एकता है। इंसानों से प्यार करना किसी भी धर्म की सर्वोच्च अभिव्यक्तियों में से एक है।

डिजिटल दुनिया का मानसिक बोझ : जब स्टेटस छीनने लगे चैन

ANALYSIS

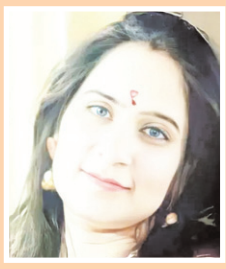

✍ प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया के इस्तेमाल में अनुशासन अपनाना जरूरी है, जैसे सीमित समय देना, जरूरी चीजें ही देखना और अपनी निजी सीमाएं तय करना। मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स, आत्मचिंतन और वास्तविक जीवन के अनुभवों पर ध्यान देने की जरूरत है। चैन और शांति बाहरी दुनिया से नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन और सोच से मिलती है। सोशल मीडिया एक उपकरण है, इसका इस्तेमाल समझदारी से किया जाए तो यह जोड़ता है वरना तोड़ भी सकता है। आज का युग तकनीक और सूचना का युग है। हम एक क्लिक में दुनिया की हर खबर, हर चेहरे और हर भावना से जुड़ जाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और यहाँ तक कि अजनबियों की जिंदगियों का हिस्सा भी बनते जा रहे हैं। यह सुनने में जितना सुखद लगता है, असलियत में उतना ही बोझिल और मानसिक रूप से थकाने वाला हो सकता है। अब सवाल पैदा होता है कि सोशल मीडिया जुड़ाव या जाल। जब फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म बने थे, तो उद्देश्य था कि लोगों को जोड़ना, संवाद बढ़ाना और दुनिया को करीब लाना। लेकिन, धीरे-धीरे यह जुड़ाव एक आभासी होड़ में बदल गया। अब पोस्ट, स्टेटस और प्रोफाइल पिक्चर के पीछे छिपा होता है एक दिखावे का संसार।

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। स्टेटस, प्रोफाइल और पोस्ट के जरिए लोग अपनी जिंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं, जिससे दूसरों में असंतोष, ईर्ष्या और आत्मसंदेह पैदा होता है। यह तुलना और जिज्ञासा धीरे-धीरे मानसिक अशांति का कारण बन जाती है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल में अनुशासन अपनाना जरूरी है, जैसे सीमित समय देना, जरूरी चीजें ही देखना और अपनी निजी सीमाएं तय करना। मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स, आत्मचिंतन और वास्तविक जीवन के अनुभवों पर ध्यान देने की जरूरत है। चैन और शांति बाहरी दुनिया से नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन और सोच से मिलती है। सोशल मीडिया एक उपकरण है, इसका इस्तेमाल समझदारी से किया जाए तो यह जोड़ता है वरना तोड़ भी सकता है। आज का युग तकनीक और सूचना का युग है। हम एक क्लिक में दुनिया की हर खबर, हर चेहरे और हर भावना से जुड़ जाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और यहाँ तक कि अजनबियों की जिंदगियों का हिस्सा भी बनते जा रहे हैं। यह सुनने में जितना सुखद लगता है, असलियत में उतना ही बोझिल और मानसिक रूप से थकाने वाला हो सकता है। अब सवाल पैदा होता है कि सोशल मीडिया जुड़ाव या जाल। जब फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म बने थे, तो उद्देश्य था कि लोगों को जोड़ना, संवाद बढ़ाना और दुनिया को करीब लाना। लेकिन, धीरे-धीरे यह जुड़ाव एक आभासी होड़ में बदल गया। अब पोस्ट, स्टेटस और

प्रोफाइल पिक्चर के पीछे छिपा होता है एक दिखावे का संसार। हम अपने जीवन के सबसे सुंदर पल ही दूसरों को दिखाते हैं, जैसे हंसी, सैर, सफलता, रिश्ते। लेकिन दुख, तनाव, विफलता, अकेलापन, यह सब छिपा लेते हैं। दिक्कत तब शुरू होती है, जब एक आम व्यक्ति, जो एक सामान्य ज़िंदगी जी रहा है, इन परफेक्ट ज़िंदगी वाले स्टेटस और पोस्ट्स को देखकर अपने जीवन को छोटा, अधूरा और असफल समझने लगता है। वह तुलना करने लगता है- उसे इतनी सफलता मिल रही है, मैं कहां हूं' वो घूमने गया, मेरे पास तो वक्त भी नहीं है। उसकी लाइफ कितनी परफेक्ट है, मेरी क्यों नहीं। यही तुलना धीरे-धीरे मानसिक तनाव, ईर्ष्या, आत्मसंदेह और यहां तक कि अवसाद (डिप्रेशन) का कारण बन जाती है। दूर बैठा इंसान भी छीन सकता है चैन। यह एक कड़वी सच्चाई है कि आज कोई इंसान आपको बिना एक शब्द बोले, बिना संपर्क किए, सिर्फ एक स्टेटस लगाकर आपकी नींद उड़ा सकता है। लोग अपनी जिंदगी के सबसे चमकदार हिस्से पोस्ट करते हैं, जिससे दूसरों को लगता है कि वो हमेशा खुश हैं। यह आभासी दिखावा हमारे मन को बेचैन कर देता है। हमें लगता है कि हम कुछ पीछे रह गए हैं, हम अपर्याप्त हैं। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं जो जानबूझकर स्टेटस, फोटो या स्टोरी इस अंदाज में लगाते हैं कि दूसरों को चुभे। यह डिजिटल दुनिया का पैसिव एग्रेसन है, जहां न तो कोई सीधे कुछ कहता है, न ही सीधे हमला करता है, लेकिन फिर भी मन में गहराई तक असर करता है। हमें अक्सर आदत हो जाती है, हर रोज चेक करना कि किसने क्या पोस्ट किया, किसकी जिंदगी में क्या चल रहा है, कौन कहां घूम रहा है, किसकी शादी हुई, किसको प्रमोशन मिला। यह जिज्ञासा धीरे-धीरे एक व्यसन बन जाती है। एक ऐसा नशा जो हमारी मानसिक ऊर्जा को चूसने लगता है। हम हर किसी की प्रोफाइल में झांकते हैं, उनके फॉलोअर्स गिनते हैं, उनके रिश्तों का अंदाजा लगाते हैं और कई बार बिना जरूरत के अपने मन को अशांत करते हैं। यह आदत न तो हमें कोई ज्ञान देती है, न कोई वास्तविक खुशी । उल्टा हमारी आत्म-संतुष्टि को मार देती है। मन की शांति के लिए डिजिटल अनुशासन जरूरी है। इस समय सबसे बड़ा आत्मसंयम यही है कि हम सोशल मीडिया का प्रयोग एक मयार्दा में करें। जरूरत है कि हम डिजिटल डिटॉक्स को अपनाएं यानी एक तय समय पर फोन, सोशल मीडिया ऐप्स से दूरी बनाएं। अपने लिए कुछ नियम बनाएं। सुबह उठते ही सबसे पहले सोशल मीडिया चेक न करें। दिन में सिर्फ 2 या 3 बार ही सोशल मीडिया ओपेन करें। स्टेटस, प्रोफाइल या पोस्ट देखकर प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें- क्या ये जानकारी मेरे लिए जरूरी है। हर बार दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करें। कुछ चीजें निजी रखें, कुछ दूरी जरूरी है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि जिंदगी का हर पहलू शेयर करने लायक नहीं होता। अगर हम खुद हर चीज साझा करते हैं, तो दूसरों की भी उम्मीद बन जाती है कि वे हमें जज करें। इसीलिए जीवन के कुछ हिस्से को सिर्फ अपने लिए रखें जैसे अपनी सोच, अपनी उपलब्धियां, अपने संघर्ष। दूसरों के जीवन में भी बिना चाहे न घुसें। किसी की प्रोफाइल या स्टेटस में झांकने से पहले सोचें- क्या यह जिज्ञासा है या एक तरह की आत्म-प्रवंचना। क्या यह मुझे ज्ञान दे रही है या बस एक आंतरिक असंतोष। अपने मन को तरो-ताजा रखें। हर दिन कुछ समय सिर्फ अपने लिए निकालिए, चाहे वह किताब पढ़ना हो, संगीत सुनना, टहलना, योग, ध्यान या अपने किसी शौक को समय देना। यह सब आपके मन को सुकून देगा और आपको भीतर से संतुलित बनाएं। यह दौर बहुत तेज है। हर कोई कुछ साबित करने की दौड़ में है। लेकिन, इस दौड़ में अपने मन की शांति को गिरवी रखना बुद्धिमानी नहीं। हमें यह समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। यह ध्यान रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक औजार है । वह हमें जोड़ भी सकता है और तोड़ भी सकता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसे कैसे प्रयोग करते हैं। अपनी सोच को सीमित लोगों से प्रेरणा लेने तक सीमित रखिए और बाकी को स्क्रॉल कर दीजिए, शांति, चैन और सुकून खुद-ब-खुद लौट आएगा।

(लेखिका एक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

गर्मी की छुट्टियों में त्वचा का रखें खास ख्याल

गर्मी की छुट्टियों में ठंडे पहाड़ों तथा समुद्र के किनारे तटों पर परिवारजनों तथा मित्रों और संबंधियों संग वक्त गुजरने का पता ही कहां चलता है। सर्दियों की कंपकंपाती ठंड के मौसम के बाद लोग गर्मियों को घूमने-फिरने का पंसदीदा मौसम मानते हैं। मैदानी क्षेत्रों की भीषण गर्मी तथा लू से बचने के लिए बफीर्ले पहाड़ों तथा समुद्र तट की ओर रुख करते हैं। अब जबकि गर्मी में छुट्टियों का सीजन नजदीक पहुंच गया है तथा आप पहाड़ों तथा समुद्री तटों पर कुछ आरामदायक स्कून से भरे पल गुजारने का कार्यक्रम बना रहे हैं तो इस बात का भी ध्यान रखिए कि सौंदर्य के लिहाज से गर्मी हमारी त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। समुद्री तटों और पहाड़ों की बर्फ के पारदर्शी सतहों पर सूर्य की किरणें मैदानी इलाकों की बजाय ज्यादा तेज होती हैं, जिससे आपकी त्वचा में जलन, कालापन, सनबर्न तथा मुहांसों आदि जैसी सौंदर्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। रेतीले समुद्री तटों तथा बफीर्ले क्षेत्रों में गर्मियों के मौसम में सूर्य की तेज किरणों की वजह से साफ-सुथरी त्वचा को कील-मुंहासों की समस्या से रूबरू होना पड़ सकता है। छुट्टियों पर जाने से पहले ही सूर्य की तेज किरणों के हानिकारक पराबैंगनी किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान के प्रभावी रोकथाम के उपाय करने चाहिए। आप कुछ सौंदर्य सावधनियां बरत कर अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद उठा सकती हैं। गर्मियों में छुट्टियों की तैयारियों सौंदर्य सावधानियों से ही शुरू कीजिए। त्वचा की प्रतिरक्षा के लिए सनस्क्रीन लोशन अपने साथ जरूर ले लें। आप त्वचा की कालिख तथा सूर्य की किरणों से बचाव का प्रभावी सनस्क्रीन लोशन लें। जब भी आप बाहर धूप में जा रहे हों, तो जाने से 20 मिनट पहले चेहरे तथा शरीर के सभी खुले अंगों पर सनस्क्रीन का लेप जरूर कर लें। यदि आप धूप में एक घंटा या ज्यादा समय तक रहें तो सनस्क्रीन का दुबारा लेप कर ले। गर्मियों में छुट्टियों के दौरान अपने सौंदर्य को बनाए रखने के लिए माइस्चराईजर, रिहाईडरेंट क्लींजर हैड क्रीम तथा होठों का वाम साथ रखना कतई न भूले। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान तैलीय त्वचा को चमकाने तथा छिद्रों को साफ करने के लिए स्क्रब का अधिकतम उपयोग कीजिए। समुद्री तट पर खारे पानी में अठखेलियां करने के बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धोंऐ। जब भी आप वापस अपने होटल के कमरे में पहुंचें तो चेहरे पर ठंडे दूध की मालिश करके इसे कुछ समय तक छोड़ दें। इससे सनबर्न के प्रभाव को रोकने में मदद मिलेगी तथा चेहरे की त्वचा को ठंडक मिलेगी। चेहरे की त्वचा के पोषण तथा यौवन के लिए पील आफ मास्क उपयोगी साबित होगा। शहद को अंडे के सफेद भाग में मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने के बाद इसे ताजे स्वच्छ जल से धो डालिए। इस मिश्रण से त्वचा कोमल, मुलायम तथा चमकदार बनती है। समुद्री पानी से नहाने से आपके बाल निर्जिव तथा उलझ सकते हैं। समुद्री पानी में नहाते समय सिर को कैप से ढकने से बालों को सूर्य की गर्मी तथा खारे पानी के नुकसान से प्रभावी तरीके से बचाया जा सकता है। समुद्र में नहाने से पहले अपने बालों को सामान्य ताजे पानी से अच्छी तरह धोएं। बालों के छिद्र खुले होते है तथा बालों को धोने के बाद समुद्र में नहाने से बालों को नुकसान नहीं होगा, क्योंकि बाल समुद्री पानी को कतई नहीं सोखेगे, वह पहले ही ताजे पानी को सोख चुके है। समुद्री पानी में नहाने के बाद बालों को हल्के हर्बल शैंपू से धो डालिए तथा शैंपू के बाद बालों में कंडीशनर या हेयर सीरम का उपयोग कीजिए। इस बात का भी ध्यान रहे कि समुद्री तट पर जाने से पहले सौंदर्य प्रसाधनों का कम से कम इस्तेमाल करें, जबकि आप सफर के दौरान लिपगलोस, पाऊडर, आई-पेंसिल, मास्करा, लिपस्टिक जैसे सामान्य सौदर्य प्रसाधनों का उपयोग कर सकती है। यदि आपकी तैलीय त्वचा है और आप गर्मियों में आर्द्रता भरे मौसम में सफर कर रही हैं तो टिशू पेपर, टैलकम पाऊडर तथा डीओडरेंट अपने साथ जरूर रखे। सफर के दौरान सौदर्य के कुछ टिप्स आपके सफर के दौरान सौंदर्य में चार चांद लगा सकते हैं। यदि आप बाहर पर्यटक स्थलों पर घूम रहे हैं तो दिन में कम से कम दो बार अपना चेहरा ताजे पानी से जरूर धोइए। फेस मास्क आपकी त्वचा को साफ, चमकदार तथा आकर्षक बना सकता है। इससे त्वचा की थकान को मिटाने तथा त्वचा को तरोताजा बनाए रखने में मदद मिलती है। ऊंचे पर्वतीय दर्शनीय स्थलों, शुष्क तथा ठण्डे. मौसम के दौरान बालों में नमी की कमी सामान्य रूप से पाई जाती है। इस मौसम में हाथ तथा होंठ भी शुष्क बन जाते हैं। इस मौसम में हाथों तथा शरीर के खुले अंगों में दिन में दो तीन बार माइस्चराइजर का प्रयोग करें तथा इसकी त्वचा पर मालिश करें। बालों के सौंदर्य के लिए सनस्क्रीन रहित हेयर क्रीम, हर्बल शैंपू, कवर्ल हेयर सीरम तथा कंडीशनर का लगातार उपयोग बेहतर रहेगा। बालों को सूर्य की किरणों, हवा के झोंको तथा धूल मिट्टी से बचाने के लिए स्कार्फ का उपयोग करें। तैलीय बालों के लिए गर्म पानी में टी-बैग डुबोइए। टी-बैग को हटाकर बाकी बचे पानी को ठंडा होने दें तथा बाद में इसमें नीबूं जूस मिला दीजिए। फिर उससे बालों को साफ कीजिए। इससे बालों को मुलायम तथा चमकदार बनाने में मदद मिलती है। इसलिए यदि आप इन बातों का ख्याल रखेंगे तो निश्चित ही आपकी छुट्टियां और यात्रा काफी सुखद रहेगी। साथ ही त्वचा व बाल आदि भी महफूज रहेंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

परम पूज्य पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई। मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजोया जाएगा। उनकी आत्मा को ईश्वर की गोद में शांति मिले।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ विद्रोह करने वाले झारखंडी माटी के वीर सपूत अमर वीर शहीद पांडेय गणपत राय जी के शहादत दिवस पर शत-शत नमन।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकिस्तान-चीन से नजदीकी भारत के लिए ठीक नहीं

भारत-बांग्लादेश के बीच रणनीतिक-सांस्कृतिक-व्यापारिक संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है। भारत की न सिर्फ बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका थी, बल्कि उसके आर्थिक और लोकतांत्रिक विकास में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने मोहम्मद यूनुस बांग्लादेशी चरमपंथियों के साथ मिलकर इन ऐतिहासिक संबंधों को कमजोर कर रहे हैं। वह भारतीय हितों की अनदेखी कर इस क्षेत्र में नई भू-राजनीति को हवा दे रहे हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश की नई करवट ले रही विदेश नीति में ढाका की इस्लामाबाद और बीजिंग से बढ़ती नई दोस्ती भारत के रणनीतिक हितों की दृष्टि से महत्वपूर्ण घटना है। खासकर रणनीतिक रूप से संवेदनशील सिलीगुड़ी कारिडोर के संबंध में, जिसे अक्सर चिकन नेक कहा जाता है। सिलीगुड़ी कारिडोर उत्तरी बंगाल में भूमि की एक 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी है, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। यह नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से घिरा हुआ है और चीन नियंत्रित तिब्बत के करीब है। इस कारिडोर में होने वाली किसी भी घटना को भारत राष्ट्रीय अखंडता और सामरिक दृष्टि से सीधे खतरे के रूप में देखता है। इस चिकन नेक से 100 किलोमीटर से भी कम दूरी पर मुंशीरहाट स्थित है, जो भारत की सीमा के पास बांग्लादेश के खुलना डिविजन में स्थित है। खबर है कि हाल में वहां चीन ने बुनियादी ढांचागत विकास के नाम पर अपना एक नया रक्षा केंद्र खोला है। मुंशीरहाट एक ऐसे भौगोलिक क्षेत्र में आता है, जहां कोई भी विदेशी उपस्थिति भारत के लिए रणनीतिक रूप से खतरनाक होती है। गत वर्ष नेतृत्व संभालने के बाद से मोहम्मद यूनुस ने चीन के साथ बांग्लादेश के संबंधों को गहरा करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास किया है। पिछले दिनों बीजिंग यात्रा के दौरान मोहम्मद यूनुस ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें चीनी ऋणों पर ब्याज दरों में कमी और बांग्लादेश में चीनी विनिर्माण इकाइयों का स्थानांतरण शामिल है। हाल में चीन ने भी व्यापक निवेश और सैन्य सहयोग के माध्यम से बांग्लादेश में अपनी उपस्थिति का काफी विस्तार किया है। यह चीन की व्यापक स्ट्रिंग आफ पर्ल्स रणनीति का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत को चीनी-मित्र राज्यों और सामरिक संपत्तियों के नेटवर्क से घेरना है। उल्लेखनीय रूप से बांग्लादेश में पनडुब्बी बेस के निर्माण से उसकी नौसैनिक क्षमताएं बढ़ी हैं और बंगाल की खाड़ी में उसकी रणनीतिक पहुंच का विस्तार हुआ है। इसके अतिरिक्त चीन ने बांग्लादेश में विभिन्न परियोजनाओं में 25 अरब डालर से अधिक का निवेश किया है, जिससे वह उसका एक प्रमुख आर्थिक भागीदार बन गया है। बांग्लादेश में चीनी ऋणों द्वारा वित्तपोषित पद्मा ब्रिज रेल लिंक, मोंगला पोर्ट एवं दक्षिण-पश्चिमी जिलों के बीच संपर्क मार्ग का निर्माण और बंगाल की खाड़ी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग अभ्यास में वृद्धि ढाका तथा बीजिंग की नई रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण है। चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार होने साथ एक प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता भी बन गया है। हालांकि बांग्लादेश चीन और भारत के बीच संबंधों को संतुलित करने की बात करता है, पर तटीय बांग्लादेश में चीनी-वित्तपोषित बुनियादी ढांचा, विशेषकर मोंगला पोर्ट और मुंशीरहाट के पास चीन की मजबूत रणनीतिक उपस्थिति भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए सकारात्मक नहीं कही जा सकती है। यही कारण है कि दक्षिणी बांग्लादेश में चीनी फर्मों से जुड़ी हाल की सड़क संपर्क और अंतरदेशीय जलमार्ग परियोजनाओं पर भारत ने चिंता जाहिर की है। बांग्लादेश को सबक सिखाने के लिए भारत ने उसे अपनी जमीन के जरिये कारोबार करने की दी गई सुविधा वापस ले ली है। इसके जरिए भारत ने बांग्लादेशी निर्यात को अपनी भूमि के माध्यम से किसी तीसरे देश में जाने की अनुमति दी थी।

स्वागतयोग्य कदम

समाचार एजेंसी एशियन न्यूज इंटरनेशनल (एएनआई) द्वारा दायर मानहानि के मामले के आधार पर दिल्ली हाईकोर्ट ने विकिमीडिया को एक विकिपीडिया पेज हटाने का आदेश दिया था। इस आदेश को रद करके सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा की गई गलती को सुधारा है। बीते 2 अप्रैल को पारित हाईकोर्ट के आदेश में यह कहते हुए विकिपीडिया पेज हटाने की इजाजत दी गई कि बयान मानहानि करने वाले थे और उनमें उद्धृत संदर्भों में मूल पाठ की शब्दशः पुनर्प्रस्तुति नहीं की गई थी कि ये संदर्भ खुद में संपादकीय या पूर्वाग्रही लेख थे और एक विश्वकोश होने के नाते, विकिपीडया की ज्यादा जिम्मेदारी थी। यह तर्क समस्याजनक है, क्योंकि ये संदर्भ लंबे स्वरूप वाली रिपोर्टिंग और स्वतंत्र जांचकताओं के उद्धरणों पर आधारित हैं और ये राय या संपादकीय नहीं हैं जैसा कि हाईकोर्ट ने इन्हें बताया है। हाईकोर्ट के तर्क से सुप्रीम कोर्ट बिल्कुल अलग मत रखता है। उसने टिप्पणी की कि सामग्री हटाने का आदेश एक बहुत व्यापक अनुरोध पर आधारित था और उल्लेख किया कि समस्त झूठी, भ्रामक एवं मानहानि करने वाली सामग्रियों को हटाने के निर्देश बहुत व्यापक शब्दों में थे। पीठ ने अब समाचार एजेंसी को निर्देश दिया है कि वह वेबपेज से हटाए जाने वाले विशिष्ट हिस्सों का जिक्र करते हुए हाईकोर्ट में नई याचिका दायर करे। विकिपीडिया एक इंटरनेट मध्यवर्ती संस्था है, जिसे जिम्मेदारी से बचाव के प्रावधान का लाभ हासिल है, क्योंकि सामग्री सृजन और उसमें बदलाव को इस साइट के उपयोगकर्ता संभालते हैं। यह बताता है कि सामग्री हटाने से जुड़ा कोई भी व्यापक आदेश उस मॉडल को ही दंडित कर सकता है, जिस पर यह विश्वकोश काम करता है। विकिपीडिया एक समुदाय-चालित विश्वकोश है, जो इंटरनेट पर मुफ्त उपलब्ध है और जिसका रख-रखाव दुनियाभर के स्वयंसेवक करते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Bill Aitken: The writer who showed real India to the world

My late wife Colleen and I first met Bill Aitken, along with Ruskin Bond, as one of Mussoorie's resident writers. We had settled there after I left the Navy in 1974. We took to Bill immediately. He was a straightforward man; extremely soft-spoken, but very sharp if he sensed anyone was trying to take advantage of him. Bill was a gentleman to his fingertips, yet always in control of the situation, wherever he was.Though born a Scotsman, Bill was deeply interested in India. He felt its philosophy was something the world needed to know. He came to study Indian philosophy and attached himself to an ashram where he met the widowed Maharani of Jind, Prithvi Bir Kaur. We came to know her as Preeti. She was finding it increasingly difficult to manage her estate. She spoke to her guru at the ashram who introduced her to Bill. He agreed to assist her. Bill became a sort of secretary to the Maharani.

But that wasn't enough for him. Bill began exploring the Indian Railways. He was fascinated by the country's enormous rail network, which covered vast and varied terrains unlike any other country. He was equally intrigued by India's rivers. He was a typical, complex European who absorbed India, but, you know, our country is so big that you can't absorb it all. You'd have to be an absolute giant to absorb everything. Bill was specific in his obsession, or rather it would be better to say, his love for India.What Colleen and I found particularly fascinating was the way he approached India, unlike many European writers — he delved deep. He was fascinated with Hindu philosophy, which goes beyond puja and aarti. It goes down to itihas, the thing common to the three of us.We believed that itihas, that is the inherited legends that are passed down through the ages, was a unique creation of Hinduism. Using itihas, they were able to send deep scientific truths down the ages till these could be interpreted. Let me give an example. The Das Avatars (though a mythological concept) predate Darwin's scientific theory by centuries, and yet they capture the essence of his theory and go much into the future,

into the evolution of human beings. These were the kinds of conversations we had with Bill.I don't classify Bill as a travel writer, just I wouldn't call my friend Ruskin Bond as just a writer of children's stories. Yes, he wrote travel books but his identity was shaped by a wide spectrum of experiences.

His humour was acerbic. He had a biting sense of humour. And if anyone tried to get a little too familiar with him, he would cut them down to size easily. And that's what I loved about Bill.

Bill found it absolutely fascinating that in India, we live in a multiracial, multilingual society. He detested the racial approach of Europeans, thinking that they are superior. And he felt that the people he was researching and living with had a much older and more sophisticated philosophy than any of the white settlers who may have come in.Had Bill Aitken been born in the Victorian times, he might have been celebrated as one of the pioneering Brits who went into the depth of Indian philosophy and culture and revealed the true India to the world.

Silence has the answers, if only we care to listen

A natural environment is musically generative, it is alive with musical expression

The vast majority of us (and I include myself in this list) are completely unaware of the role that sound — and silence — plays in our lives and mental well-being. I was made aware of this recently by a BBC documentary about an app developed by a whizz-kid in response to a peculiar Covid phenomenon. People working from home apparently missed the usual buzz of office sounds and felt disoriented. Some smart kid has now developed an app that has a graphic equaliser which can stream the usual office background sounds — the chatter of colleagues, ringing of phones, whirring of photo-copiers, clicking of typewriters. It simulates an office environment and makes the person feel comfortable and therefore more productive!This demonstration of how "surround sound" shapes our state of mind is telling in a number of ways, not the least of which is the manner in which we have allowed human-generated sounds to replace the cadence of nature, with unhealthy effects on our mental well-being. Numerous studies have proved how the tyranny of ceaseless sound — especially in cities, in which 40 per cent of the human population now resides — causes stress, hypertension, and most of the time we are not even aware of this hidden killer. It is time to understand what we have given up in our fruitless quest for a materialistic Valhalla.It is time we began listening to the universe again, as our forefathers (in the not too distant past) did. We must go back to hearing the silence beyond the background noises and cacophony of modern life. To do so, however, we must first understand the true quality of silence.There is no such thing as complete silence. The universe is producing sounds all the time, and has been doing so since time immemorial. It's we who are not listening. To prove this, a famous American music composer and musician, John Cage, wrote a composition in 1952 titled 4' 33" or Four Minutes and Thirty Three Seconds, which stunned the music world. The score consists of three movements — of complete silence. The musician sits on stage before an open piano without playing it; there is complete silence and quiet in the hall for four minutes and thirty three seconds. At the end of this period, he gets up and walks off the stage.

In this total quietude, the audience discovers the existence of sounds they had never heard before — the sound of blood circulating in the arteries, the muted beating of the heart, the soft whispers of one's breathing, even the rustling of fabric against fabric as one moves. Which was precisely the point John Cage wished to make — that sound permeates every fibre of the universe, that it does not exist only outside us, but also inside, if only we would care to listen. It is as important to listen within, as it is without.

Every environment and soundscape in the universe has its own unique sonic signature. There are basically three types of sounds: Geophony (sounds of the non-biological natural world: the wind, flowing water, the rustling of leaves, the creaking of tree branches moving against each other); Biophony (the sounds made by living creatures such as insects, birds and animals); and Anthrophony (sounds generated by humans and their contraptions). The tragedy of modern life is that we have been allowing the anthrophonic signature to dominate and eclipse the other two, and are consequently losing touch with the natural cadence and rhythms of the universe.

A natural environment is musically generative, it is alive with musical expression: just think of the symphony played out by the hidden cicadas in the monsoons, the honking of a wedge of geese flying overhead, the rat-a-tat of a woodpecker, the plaintive baying of a lonely pack of coyotes or wolves, the cooing of a wood dove or a 'papiha', the roar of a waterfall, the moaning of the wind through the trees. This is the stuff and lifeblood of music, from the ancient bagpipes to the modern orchestra.

A healthy environment has birds, animals and insects that occupy the high, medium and low frequency bands of sound, like a symphony. When we take out any of these "musicians", we forever alter the music of the symphony itself.The "silent" forests have other sounds, too, which researchers are only now beginning to discover. Did you know that trees "talk" to each other? In his fascinating book, 'The Hidden Life of Trees', Peter Wohlleben reveals that scientists in the Western University of Australia have registered roots of seedlings crackling quietly at a frequency of 220 Hertz! The roots of other seedlings, when exposed to these crackling sounds, oriented their tips in that direction. That means the latter were registering this frequency, they were "hearing" it. Some day, we, too, may hear it, if only we could escape our man-made surround sounds.

In our corrupted and degenerated modern lifestyle, we call this "silence" — the silence of the forests and nature, because we have got accustomed to hearing only the anthrophonic sounds. And to escape the tyranny of anthrophony, the lucky among us escape occasionally into the realm of nature. But that is not enough. We must also learn to listen to, and preserve this silence, which is no silence at all, but the music of a universe that is billions of years old. It is the music of "OM", of Pachelbel, of the Buddhist chanting, of our venerable and ancient ragas. And unlike the sounds made by man, this "silence" has the ability to calm, to soothe, to rejuvenate, to connect us with the eternal. This is what meditation, Vipassana and Pranayam are all about, realigning our antennae to the world within us.

Dhankhar's tirade

Singling out the judiciary is fraught with danger

Vice-President Jagdeep Dhankhar has struck a discordant note with his all-out attack on the judiciary. He has claimed that judges have no accountability and are usurping the roles of the legislature and the executive. The immediate trigger for his sharp reaction is the SC order on fixing a timeline for the President to grant assent to state Bills reserved for her consideration by the Governor concerned. The order was apparently issued in the interests of good governance, considering the inordinate delay in approving key Bills, but the Vice-President is unimpressed: according to him, the judiciary cannot give directions to the President or act as a 'super Parliament'.The constitutional principle of separation of powers among the executive, judicial and legislative branches of the government leaves no room for turf wars. It is aimed at ensuring adequate checks and balances so that no branch overwhelms the others. The judiciary is increasingly stepping in to redress grievances and rectify wrongs because of the underwhelming performance of the executive and the legislature. The laws enacted by the government remain subject to judicial scrutiny – the contentious Waqf (Amendment) Act is a case in point. No constitutional functionary should forget that the independence of the judiciary is a prerequisite for safeguarding the inalienable rights of citizens.

The recovery of a cash stash from the residence of a High Court judge has undoubtedly dented the judiciary's image. Dhankhar has promptly turned the spotlight on the National Judicial Appointments Commission Act, which was struck down as "unconstitutional" by the Supreme Court a decade ago. The importance of judicial accountability and transparency cannot be overemphasised, but pitting one organ of the State against the other two is fraught with dangerous consequences. Collaboration and consensus, not confrontation, should be the way forward. The executive, the legislature and the judiciary must improve their self-correcting mechanism to prevent themselves from crossing the lakshman rekha.

ICYMI #TheTribuneOpinion: From our backyards to borders: A week of political churnings

Our Op-Ed pieces give a sneak peek into what's happening in the corridors of power this week

While America and China continue to call each other out over tariffs, a lot has been going on in the Indian subcontinent that's keeping Indian diplomacy on its toes. Our Op-Ed pieces give a sneak peek into what's happening in the corridors of power this entire week. Let's first focus on what is happening in our own backyard.With Sukhbir Badal back in the saddle as Shiromani Akali Dal president, 'It's back to square one for SAD', writes JNU Professor Surinder S Jodhka. It might end up widening the gulf between the party and the Sikh sangat. Though the Akali Dal was formed under the aegis of the SGPC to function as its political wing, their relationship has changed over time.

From Punjab, let's go to Tamil Nadu, and in 'Sounds of a shotgun wedding', senior journalist Nirupama Subramanian outlines the interesting chronology behind the union of the BJP and AIADMK for the 2026 Tamil Nadu polls, though party workers from both sides remain unconvinced about the unholy alliance. Stalin continues to vouch for TN at the national level, raking up delimitation, language and federalism to take the conversation away from local issues.

Another interesting read is one of the insightful editorials, 'Urdu is our own', in which the SC ruling of "allowing Urdu to be used on a municipality" signboard has been hailed. It is a timely reminder to the political leadership that polarising slogans like 'ek hain to safe hain' are inimical to a diverse country like ours, the editorial points out.In 'Basmati beyond borders: An Indo-Pak story', environmental health and justice expert Sridhar Radhakrishnan talks about how the conflict between India and Pakistan over the GI tag for Basmati is not just a story of trading rice but about how we are treating the commons between us. We are hardly acknowledging that the scent of the boiling Basmati, whether in Lahore or Lucknow, is alike; it's the generations of farmers who preserved its ecosystems who are its true custodians. So, a joint protected GI by India and Pakistan could help us reclaim our commons.Talking more about our neighbours, the spectre of Bangladesh and Pakistan forgiving each other for their past sins and moving on is apparent, writes The Tribune Editor-in-Chief Jyoti Malhotra in her article 'Ominous churning on India's frontiers'. Naya Bangladesh has reached out to both China and Pakistan like it hasn't for decades. And India is caught between a China-friendly Pakistan and a China-friendly Bangladesh.

However, the good news is that India and Sri Lanka have moved ahead in their relationship with a tripartite agreement being signed between them, with the UAE tagging along. In his discerning Op-Ed 'India, Lanka no longer confined by bounds of bilateralism', strategic analyst KP Nayar writes that the new Sri Lankan President Dissanayake displayed an imaginative approach when PM Modi visited Sri Lanka in early April, which culminated in a first-of-its-kind Defence MoU, talks on which began in December last.

While India has strengthened its position with Sri Lanka, the developments to the East and also to the West are a bit more complex.On the eastern side, the US has been monitoring the growing influence of China in Bangladesh and Myanmar, writes Vice Admiral Shekhar Sinha (retd) in his Op-Ed piece 'Bay of Bengal is emerging as geopolitical flashpoint'. Yunus may be naïve to invite Chinese businessmen, ignoring the fact that two US generals had visited Bangladesh when Yunus went to China. China has many stakes in Bangladesh; it is Bangladesh's top import partner. Yunus has reportedly agreed to invite China for the development of Mongla port, the operation of which was awarded to India by the Sheikh Hasina government.

Meanwhile, coming back to India-China relations, Maj Gen Ashok Mehta (retd) makes an important point when he writes that while the US wants to make good with Russia to focus on China, Beijing wishes to mend relations with India to concentrate on the US. Besides, he dwells on the technicalities of the border issue, which for now has seen a thaw. For more info, read his Op-Ed article 'What India's 'new normal' with China really means'. Meanwhile, Trump's direct parleys with Putin to end the Russia-Ukraine war, bypassing Ukraine and Europe, have not gone down well with the West, writes Abhijit Bhattacharyya in his incisive article 'Europe's waning clout in Russia-Ukraine war'.

'Era of salaryman is over': Saurabh Mukherjea warns India's middle class

New Delhi. The steady paycheck that once defined middle-class life in India is quietly fading. And the country has barely begun to acknowledge it.

Saurabh Mukherjea, founder and chief investment officer at Marcellus Investment Managers, believes India is now entering a new economic era—one that no longer guarantees stability for the educated, hard-working urban Indian.

Speaking on a recent podcast titled Beyond the Paycheck: India's Entrepreneurial Rebirth, Mukherjea issued a clear and unsettling warning: salaried employment, long considered the golden path to financial security, is dying.

STORIES YOU MAY LIKE

Why a temple at the base of iconic Charminar is a talking point in Hyderabad

Pro-Khalistani Mob Vandalises Hindu Temple In Surrey, CanadaUS says nuclear talks with Iran made 'very good progress,' next round on April 26

"The defining flavour of this decade will be the death of salaried employment as a worthwhile avenue for educated, determined, hardworking people," he said. His statement is backed by data and driven by the visible disruption happening across India's white-collar economy. With AI advancing rapidly, many of the roles that once demanded armies of office workers are now being done by algorithms.

Companies across sectors—tech, finance, media—are quietly downsizing the very foundation of the middle-class job market. "Much of what was supposed to be done by white-collar workers is now done by AI," Mukherjea pointed out. "Google says a third of its coding is already done by AI. The same is coming for Indian IT, media, and finance."

Even middle management—the traditional career stronghold for many—offers no real security anymore. The long, loyal careers that once earned promotions, pensions, and prestige are increasingly obsolete. "The old model where our parents worked 30 years for one organisation is dying," Mukherjea said. "The job construct that built India's middle class is no longer sustainable."For millions of Indians who grew up believing in the promise of the corporate ladder, this shift will be hard to accept. The ground is moving beneath their feet—and fast. But Mukherjea isn't offering doom and gloom. He sees this rupture as the beginning of something more hopeful: a transition from paycheck-chasing to purpose-building.

Big Win For EPFO Pensioners! Kerala High Court's Ruling On Higher Pension A Step In Protecting Employee's Pension Rights

New Delhi: The Kerala High Court's recent judgement on depravation of pension grant for EPFO Pensioner entitled to higher pension due to technical or procedural error will come as a huge relief.In a landmark judgement, the Kerala HC had said that the retirement fund body can't deny higher pension to EPF pensioner solely on the ground that the contributions were made in bulk and not on a monthly basis.The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) was introduced in the year 1995 under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 with the objective of providing retirement savings and social security for employees in India.

"In light of the Supreme Court's landmark judgment in EPFO v. Sunil Kumar (Supra), the Hon'ble Kerala High Court has reaffirmed the principle of natural justice—that procedural irregularities should not defeat the ends of justice. The Court held that when the EPFO has accepted contributions from both the employee and the employer in accordance with the requirements of paragraph 26(6) of the EPF Scheme, 1952, employees are entitled to a higher pension. Substantial benefits cannot be denied on the grounds of procedural errors," Sunil Tyagi, Maging Partner, Zeus Laws told Zee News.

Tyagi said that this recent judgement by Hon'ble Kerala High Court's deals with a frequently faced issue, and its decision is a positive step towards the protection of employee pension rights.

Jaggi Brothers In For Deeper Trouble As Gensol Scam Blows Off Green Cover

New Delhi. The Jaggi brothers, promoters of scam-hit Gensol Engineering, are in for deeper trouble than merely being barred from the stock markets as the SEBI investigations have revealed that they have submitted fake documents to the government-owned Indian Renewable Energy Development Agency (IREDA) and Power Finance Corporation (PFC) to hide defaults and raise fresh credit.

The Securities and Exchange Board of India (SEBI) said these diversions could lead to major financial losses for shareholders. Gensol's proposed stock split was put on hold. As it is turning out, the case will need deeper investigations to find out any case of wrongdoing on the part of other officials and whether proper due diligence was carried out or not, a senior official said.The loans, worth Rs 978 crore, were taken from government organisations like the IREDA and the PFC. These loans were supposed to be used for buying EVs for BluSmart, the EV ride-hailing firm of Gensol. Instead, over Rs 200 crore of the amount was routed through a car dealership and sent to other companies linked to the promoters. Some of the money was used for luxury purchases, including flats in DLF Camellias, where the price of an apartment starts at Rs 70 crore.The SEBI said that, given Gensol was supposed to provide a 20 per cent equity contribution, the total outlay should have been Rs 829.86 crore, leaving Rs 262.13 crore unaccounted for.On April 15, the SEBI released a detailed interim order showing what went wrong at Gensol. The order said the promoters of Gensol, including Anmol and Puneet Singh Jaggi, had treated the company like their personal 'piggy bank'.

Gold prices continue to rise amid global uncertainty. Should you buy or sell

Gold price today: Monday's jump follows a dip in the previous session, where MCX Gold fell 0.44% to Rs 95,239 due to profit booking. But the broader narrative remains dominated by geopolitical and macroeconomic anxiety.

New Delhi. Gold prices surged on Monday, with MCX Gold touching Rs 96,747 per 10 grams in early trade, as investors rushed to hedge against growing economic uncertainty triggered by the US-China trade war and a weakening dollar.By 10:07 am, the June 5 MCX contract was trading at Rs 96,423—up 1.23% from the previous close.Internationally, spot gold also soared to a fresh peak of $3,384 per ounce during the session, driven by global risk aversion and a flight to safe haven assets.A key driver behind the rally is the dollar's continued slide. The dollar index has now hit a three-year low, making gold more affordable for non-US investors. Since gold is priced in dollars, a weaker greenback tends to boost its demand globally.Monday's jump follows a dip in the previous session, where MCX Gold fell 0.44% to Rs 95,239 due to profit booking. But the broader narrative remains dominated by geopolitical and macroeconomic anxiety—particularly fears that an intensifying trade war between the US and China could derail global growth for an extended period.President Donald Trump's recent pause on reciprocal tariffs did little to calm nerves, especially as his administration continues to signal a confrontational stance towards China.Investors are also closely watching political developments

in Washington, where reports suggest Trump may be considering removing US Federal Reserve Chair Jerome Powell. That move, if pursued, could undermine the Fed's independence and further rattle market sentiment.

WHAT SHOULD INVESTORS DO NOW?

Jateen Trivedi, VP Research Analyst at LKP Securities, cautioned that gold is currently struggling to break key resistance levels. "Gold prices showed signs of fatigue, slipping below recent highs struggling to break past the key resistance at $3,350," he said.He sees strong support between $3,280–$3,290, with a break below potentially triggering a correction toward $3,150.

"Volatility remains high at these elevated levels," Trivedi added, advising caution for anyone considering fresh positions.Satish Dondapati, Fund Manager at Kotak Mahindra AMC, echoed a broadly bullish tone for the precious metals market in the longer term."Gold has already gained over 25 percent this year, including a 6 percent jump since April 2 following the latest US tariff announcements," he said.While near-term momentum may depend on further trade tensions, Dondapati believes central bank buying and ongoing geopolitical uncertainties will continue to support prices over time.Still, not all analysts are optimistic in the short term.Manoj Kumar Jain of Prithvifinmart Commodity Research told Livemint that investors should aim for a wait-and-watch approach.

Sensex reclaims 79,000-level; Nifty tops 24,000 driven by buying in HDFC Bank, ICICI Bank

MUMBAI. Equity benchmark indices Sensex and Nifty surged in early trade on Monday driven by buying in HDFC Bank, ICICI Bank post their earnings announcement and continuous foreign fund inflows.The 30-share BSE benchmark Sensex jumped 599.66 points to 79,152.86 in early trade.The NSE Nifty climbed 152.55 points to 24,004.20.From the Sensex firms, Tech Mahindra, Axis Bank, HDFC Bank, Infosys, State Bank of India and IndusInd Bank were the biggest gainers.Adani Ports, ITC, Bharti Airtel, Titan, Hindustan Unilever and Sun Pharma were among the laggards.HDFC Bank's stock quoted over 1 per cent higher after the firm reported a 7 per cent growth in its consolidated net profit for the March quarter to Rs 18,835 crore, but flagged issues around pricing in home and corporate loan segments which are impacting its loan growth.ICICI Bank traded nearly 1 per cent up after the company reported a 15.7 per cent jump in March quarter consolidated net profit at Rs 13,502 crore.India's second-largest IT company Infosys traded over 1 per cent higher even after the firm reported an 11.7 per cent decline in consolidated net profit to Rs 7,033 crore for the March quarter mainly on account of compensation to employees, and acquisitions during the reported period."Even though the global economic scenario is mired in uncertainty, India appears relatively

resilient.India is the only large economy which can grow at 6 per cent even in a slowing global economy.

This, along with the declining dollar, has the potential to attract more FPI inflows into India in the short run."

"The Q4 results of HDFC Bank and ICICI Bank have the potential to take Bank Nifty to an all-time high," VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Ltd, said.Foreign Institutional Investors (FIIs) bought equities worth Rs 4,667.94 crore on Thursday, according to exchange data.

n Asian markets, Shanghai SSE Composite index traded in the positive territory while South Korea's Kospi index and Tokyo's Nikkei 225 traded lower.US markets ended mostly lower on Thursday. Stock markets were closed on Friday for 'Good Friday'.

"As we begin a new week, market sentiment turns optimistic with FIIs emerging as net buyers last week, boosting confidence for a bullish Nifty start," Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said.

Global oil benchmark Brent crude declined 1.52 per cent to USD 66.93 a barrel.The BSE benchmark Sensex jumped 1,508.91 points or 1.96 per cent to settle at 78,553.20 on Thursday.

HDFC Bank, ICICI Bank hit record highs after strong Q4: Buy, hold or sell

NEW DELHI. Shares of top private lenders HDFC Bank and ICICI Bank surged to record highs on Monday, as investors cheered their robust fourth-quarter results and optimistic outlooks on loan growth and asset quality.HDFC Bank rose 1.3% while ICICI Bank gained 0.9% by 9:40 am. Their gains helped lift the Nifty Bank and Nifty Private Bank indices by nearly 2%, and pushed the Nifty 50 up 0.6%, with heavyweight HDFC Bank emerging as the index's top driver.Both banks reported Q4 earnings that exceeded analyst expectations. HDFC Bank posted results that highlighted improving margins and asset quality, with management expressing confidence in achieving above-industry loan growth in FY27, though without providing a specific target.ICICI Bank, meanwhile, delivered a strong all-round performance, with net profit surpassing estimates by 6%. The bank reported 16 basis points sequential expansion in its net interest margin (NIM), driven by higher yields and solid net interest income (NII) growth of 11% year-on-year. Pre-provision operating profit (PPoP) rose 17% YoY, backed by stable operating expenses and steady other income.Loan growth remained moderate at 13.3% YoY, while deposit growth accelerated to 14%. The bank's credit costs fell to 27 basis points, aided by a decline in the provision coverage ratio. Asset quality metrics improved with gross and net slippages falling 35 and 45 basis points quarter-on-quarter, respectively. ICICI Bank's cautious approach—tightening underwriting and moderating growth in higher-risk portfolios—was key in preserving credit health.Brokerage JM Financial reiterated its BUY rating on ICICI Bank, with a target price of 1,650 based on an SOTP valuation. It expects near-term margin compression from lagged transmission of rate cuts to be cushioned by lower savings and term deposit rates. The brokerage projects average NIMs of 4.14% over FY26-27 and a compound annual growth rate of 13% in NII and PPoP, and 11% in PAT over FY25-27.Jefferies continues to list both HDFC Bank and ICICI Bank as its top picks in the sector, citing consistent margin delivery and tight credit cost controls. Post-results, at least 16 analysts raised their price targets for the two banks.

Why young investors should invest in equities

NEW DELHI. I was sitting in an airport lounge when a young woman approached me and said "I watch your YT videos, but sorry, I don't invest in equities". She left after a short conversation. My views on equities have changed over the past 4+ decades – it has only increased my 'pro-equity' stance.

Thanks to late Mr. Jack Bogle (Vanguard funds) in USA, Sebi, and competition, the asset management fees are at its lowest. There is a fantastic back end – the stock exchange creates a price discovery mechanism so I am sure that the asset manager is not lying about the transaction price, timing or quantity. Unlike Private equity, Real estate, Private credit, Art, venture capital funding, the equity market is open (MFs too). If you are a young investor there are many OLD reasons too to invest in equities.Equities are often considered the best asset class for young investors due to their unique combination of growth potential, time horizon alignment, and risk-reward dynamics. Here's why:High Growth Potential: Equities historically offer higher average returns compared to other asset classes like bonds or cash. Over long periods, stocks have averaged around 7-10% annual returns (inflation-adjusted) in major markets like the US, driven by corporate earnings growth and economic expansion. For example, the S&P 500 has delivered a nominal return of about 10.5% annually from 1926 to 2024. In India, the TRI Sensex has gone from 100 in 1979 to 166,000 in 2025. This is 18% CAGR! -without adjusting for inflation.Long Time Horizon: Young investors typically have decades before retirement, allowing them to ride out market volatility. Equities are volatile in the short term, with frequent corrections (10-20% drops) and occasional crashes. However, over 20-30 years, the probability of negative returns diminishes significantly.Compounding Returns: The power of compounding is amplified with equities due to their higher returns.

Inflation Hedge: Equities tend to outpace inflation over time, preserving and growing purchasing power. Companies can raise prices and increase profits, unlike fixed-income assets, which lose real value in inflationary environments.Diversification and Accessibility: Equities offer broad diversification through index funds or ETFs, reducing company-specific risk. Young investors can start with a small amount of SIP, making equities more accessible than real

Why multi-asset investing is getting real

Despite efforts to encourage increased trading in listed government and corporate bonds, the debt market in India does not see significant investor participation.

New Delhi. When you construct your investment portfolio, you want to protect your money and grow it to beat inflation. You know the value of your hard-earned money because you got there with a considerable effort. You have made sacrifices to save money and worked harder to make more money. Letting it go to inflation or factors that are not in your control can make you uncomfortable.The world now is going through immense uncertainty. Global trade wars, regional conflicts, technology disruptions and local demand and supply issues are making it harder for policymakers and analysts to determine the future trajectory of inflation, interest rates and economic growth. There are green spots in all crises. This time, you can see top investment firm analysts pointing at those green spots but lacking conviction in their commentary. There are a lot of 'ifs' and 'buts' in every potentially attractive story. For example, many global banks are divided over India's attractiveness as an investment destination for foreign investors. Domestic mutual funds hold a significant amount of their portfolios in cash to protect their schemes from losing value in volatile times.

Diversification is the key

Ensuring sufficient portfolio diversification is the only way to deal with uncertainty and volatility. India's financial markets offer you diversification into multiple assets like never before. You can directly buy stocks, bonds, commodities, real estate or infrastructure investment trusts that offer varying returns. A new consulting paper for comments by the Securities and Exchange Board of India highlights letting mutual funds own more units of real estate and investment trusts than before through hybrid schemes, considering investment trust or real estate trust-specific schemes and including them in benchmark indices.

REITs generate their income through commercial property rent. Investment Trusts generate their income through tolls on roads. With rapid urbanization, there is likely to be a significant jump in the sale of commercial property and physical infrastructure assets like roads and the sale of conventional and non-conventional power.According to a

recent speech by Sebi's whole-time director Ashwani Bhatia, the potential for you to invest in government and corporate bonds, ReITs and investment trusts (InvITs), and even municipal bonds in the future could be immense.

REITs in India only account for about 10% of the country's total listed real estate value, covering nearly 126 million square feet. That is far lower than the over 90% seen in developed markets such as the USA and UK. "This gap presents substantial growth opportunities and highlights the need for further promotion of REITs and InvITs, alongside the development of regulatory frameworks to support their expansion," he said in the speech.In the same breath, the Sebi director highlighted the potential for the bond market. Despite efforts to encourage increased trading in listed government and corporate bonds, the debt market in India does not see significant investor participation. India's bond market value is 0.65 times the equity market. In contrast, bond markets in the US and Japan have a market value of 1.2 to 2 times the size of equity markets. That shows a higher interest in the risky equity markets and low investor interest in the bond market despite generating fixed returns. In 2024-25, Indian companies raised a record $124bn by selling corporate bonds. Despite that, the corporate bond market accounts for only 18% of the gross domestic product, against 80% in Korea and 36% in China.

The next frontier could be Municipal bonds. The government allowed municipalities to access financial markets to raise money through the issue of bonds in 2015. Since then, 13 municipalities raised over Rs 2,834 crore ($ 329m). As of December 2024, the value of municipal bonds in the United States stood at over $4.

Facing charge of encroaching into executive: Supreme Court on Bengal riots plea

The Supreme Court has come under criticism from BJP leaders against the backdrop of two important rulings - setting a timeline for the President to take a call on bills and staying of certain provisions of Waqf law.

New Delhi. The Supreme Court on Monday made a passing remark on allegations of judicial overreach by a section of BJP leaders while hearing a petition seeking President's rule in violence-hit West Bengal.The top court has come under criticism from BJP leaders against the backdrop of two important rulings - setting a timeline for the President to take decisions on bills sent by governors and staying of certain provisions of the amended Waqf Act.

While hearing the petition seeking the President's rule in Bengal and the deployment of paramilitary forces, a bench of Justices BR Gavai and Augustine George Masih said, "You want us to issue a writ of mandamus to the President to impose this? As it is, we are facing allegations of encroaching into the executive (domain)."

The remark holds significance as Justice BR Gavai, who will take over as the Chief Justice next month, will likely be dealing with petitions against the Waqf law.

JUDICIAL OVERREACH CHARGES

Earlier this month, the Supreme Court invoked extraordinary powers under Article 142 to pass 10 Tamil Nadu bills that were hanging fire with the governor for several months. It also directed, for the first time, that the President should decide on bills referred by governors within three months.

The verdict has not gone down well with several leaders of the ruling BJP and Vice President Jagdeep Dhankhar, who have accused the top court of overstepping its remit and encroaching on the executive's domain.

While Dhankhar stressed that the top court was acting like the "super parliament", BJP MP Nishikant Dubey said Chief Justice Sanjiv Khanna was responsible for "all civil wars in the country".

Dubey also posted a cryptic message on X, saying that if the Supreme Court is to make the laws, Parliament should be shut down. A Supreme Court lawyer has sought contempt proceedings against the BJP MP for targeting the top court.

BJP leader Dinesh Sharma, former deputy chief minister of Uttar Pradesh, was also critical of the top court, saying no one could direct Parliament or the President.Even though the BJP has distanced itself from the remarks by Dubey and Sharma, it has given fodder to the opposition to attack the ruling party.

Meanwhile, the Supreme Court declined to pass any directions on the plea seeking the President's rule and deployment of paramilitary forces in Bengal following the violence in Murshidabad over the Waqf law.Three people died in the riots that saw several vehicles being torched and shops and houses being ransacked.

Ganga, Brahmaputra basins hit 23-year low in snow persistence: Data

NEW DELHI. The Ganga and Brahmaputra basins are witnessing a record low in snow persistence in the past 23 years, raising concerns about an impending water crisis that could affect the over- 650-million people dependent on the snow-fed river systems. As per latest data, this decline in snow persistence has been consistently observed for three consecutive years.

Seasonal snowmelt is crucial for water availability in the vast stretches drained by the two perennial rivers. It contributes to around 23% of the annual flow, especially in early summer, and nourishes rivers for various purposes including agriculture and hydropower.According to the latest Snow Update Report of the Hindu Kush Himalaya region, snow persistence – the duration that snow remains on the ground – in the Ganga basin this year has been 24.1% below normal, the lowest in past 23 years.The current snowmelt deficit may lead to reduced river flow in early summer. In contrast, the basin recorded its highest snow persistence in 2015, when it stood at 30.2% above normal.The basin had a deficit of 13.6% and 20.4% snow persistence in November 2023 and March 2024 respectively. This year, the deficit has increased to 24.1%. In the past six years, four seasons witnessed a deficit in snow persistence. In 2020 and 2022, the Ganga basin witnessed a snow surplus, 27% and 26.4% above normal respectively.

The consistent decline of snow for the past three years has put the lives of India's 43% population who reside in the Ganga basin at risk.Similarly, the Brahmaputra basin has also recorded a consitent dip in snow persistence which fell to its lowest–27.9% below normal–in 2025. The basin had recorded a deficit of 10.7% and 15.7% in snow persistence in November 2023 and March 2024, respectively.

Delhi government likely to launch heat action plan

NEW DELHI. The Delhi government is set to implement its first Heat Action Plan (HAP) to combat severe heatwaves anticipated in May and June. CM is expected to launch the plan on Monday.

Jointly developed by the Delhi Disaster Management Authority (DDMA) and the National Disaster Management Authority (NDMA), the HAP outlines several measures such as establishing cooling centres in public spaces like temples, malls, and temporary night shelters during heat alerts. Schools will adjust hours to

avoid operating during peak heat times (12 noon to 4 pm) to protect children.Hospitals will set up dedicated wards for heatstroke patients and ensure an uninterrupted power supply to maintain care facilities. Outdoor workers will have mandated breaks between 12 noon and 3 pm to prevent heat-related illnesses. Bus stops and construction sites will be equipped with drinking water. The plan will be reviewed regularly to ensure its effectiveness during temperatures.

Jharkhand Karni Sena chief found dead with gunshot wound, pistol in hand

NewDelhi. Vinay Singh, the Jharkhand state president of the Rashtriya Rajput Karni Sena, was found dead with a gunshot wound to the head on Sunday evening near Punjab Dhaba in Jamshedpur's Baliguma area. A pistol was recovered from his left hand. Singh had been incommunicado since Saturday morning, prompting his family to file a missing complaint, after which police traced his mobile location and recovered the body.Singh, along with a few others, was returning home when the gunmen opened fire near a hotel on National Highway-33, killing him on the spot, reported PTI, quoting a police official.

"Vinay Singh had left home in the morning. His family reported him missing. This evening, his body was found in a field nearby. A country-made pistol was found in his left hand, and his motorcycle was also recovered. The rest is a matter of investigation," said DSP Bachan Deo Kujur.

News of Singh's death triggered outrage among his supporters, who gathered late Sunday night and blocked National Highway-33 near Dimna Chowk, a key route connecting Jamshedpur to Kolkata and Odisha. The highway remained jammed for nearly two hours as Karni Sena members demanded immediate action against those responsible for the killing.

The Rural Superintendent of Police reached the spot around 1 am and appealed to the protesters to cooperate with the administration. He assured them that swift and decisive action would be taken and that the perpetrators would be behind bars soon. Following his assurances, the blockade was lifted.

Police have launched a detailed investigation and said all possible angles are being examined.Notably, Karni Sena President Sukhdev Singh Gogamedi was shot dead inside his house in December 2023. Soon after the murder, Lawrence Bishnoi gang member Rohit Godara claimed responsibility for the crime.

Seelampur murder case: Seven arrested, two juveniles detained

NEW DELHI. The Delhi Police have arrested seven persons, including two women, and detained two juveniles aged 15 and 17, in connection with the murder of a 17-year-old boy in north-east Delhi's Seelampur area, an official said on Sunday. The victim, identified as Kunal, was stabbed to death on the evening of Thursday (April 17).

The arrested persons have been identified as Sahil (18), Zahida (42), and Vikas (29), all residents of New Seelampur; Sohaib (35), a resident of Gautam Puri; and Nafish (32) and Aneesh (19), both from Meerut. Following the incident, local residents staged protests and blocked roads, leading to severe traffic disruptions on Friday.According to Delhi Police, they received information about the stabbing around 7:38 pm on Thursday. Kunal was first taken to Jag Pravesh Chandra Hospital, where he later died during treatment. He is survived by his parents, three brothers, and a sister. Kunal's mother said her son had gone out to buy milk when the attack took place. She alleged that a woman from the locality, along with her associate, was responsible for the murder.

"My son was stabbed several times. He tried to escape and ran into a doctor's clinic, but they followed him and stabbed him again," she said. Police said that, based on evidence collected from various sources, they identified the suspects involved. "One woman, named Zikra, was arrested on the evening of 18 April. Teams from the North-East District conducted raids across Delhi NCR, including Ghaziabad, Meerut, Moradabad, and Amroha in Uttar Pradesh," said a senior police officer. Based on a detailed analysis of clues, technical surveillance, and manual intelligence, eight other accused were apprehended.

A police officer privy to the probe said that the investigation so far suggests that Sahil had an old rivalry with Kunal, and on April 17, the group cornered him and stabbed him repeatedly. "Efforts are underway to recover the weapons used in the crime. Further investigation is in progress," the police officer added.

'Our salaries can't keep pace': Parents vs Delhi schools as fees skyrocket

Rs 34,000. That's how much this 42-year-old mother, who lives in Delhi's Vasant Vihar, spends every month on educating her two children — it's nearly half her salary of Rs 80,000.Since the Covid pandemic in 2020, the woman, who is a government employee, has been managing the household by herself. Her husband had to move to another city for work.

When the new school year started in April, the woman was shocked to see the hike in school fees. "In the last one-and-a-half years alone, the fees have increased by 43-45%," she said.

Her daughters study at Chinmaya Vidyalaya in Vasant Vihar; the eldest is in high school and the younger one in middle school."Once a child enters class 9… It's a lock-in period. They continue till class 12 in the same school; it's very difficult to switch at that stage," she said.

For a class 11 or 12 Science student, the total monthly fee is now Rs 13,728 — a 52% jump from 2023 when it was Rs 8,975."We are a middle-class family," the woman added. "My husband works in another city. I manage everything here, including the finances… what can I do?"The mother is not alone in her frustration over the rising cost of private education.In recent weeks, parents by the hundreds took to Delhi's streets to protest against fee hikes across several private schools. This was no spontaneous outburst — it came after months of tension, attempts at dialogue, and rising discontent.

The trigger for the hike was a Delhi High Court order from April 2024. Justice C Hari Shankar, in an interim order, had stayed a Directorate of Education (DoE) order requiring private schools on government-allotted land to seek prior approval before raising fees. The court said schools only need to submit a fee statement under Section 17(3) of the Delhi School Education Act and Rules (DSEAR), 1973, and limited the DoE's role to checking for profiteering or capitation fees.For schools, the decision eased a major hurdle — they no longer had to wait for the DoE's approval. With over 390 schools — out of a total of 1,677 private schools — on land allotted by the Delhi Development Authority (DDA) at concessional rates now exempt from seeking official sanction, the impact was immediate.

'Meet us outside, and we will see how you return home alive': Convict threatens woman judge inside Delhi courtroom

NewDelhi. A convict and his lawyer recently threatened and hurled abuses at a woman judge inside a courtroom in Delhi after a conviction in a six-year-old cheque bounce case."Tu hai kya cheez .....ki tu bahar mil dekhte hai kaise zinda ghar jaati hai (who are you even? Meet us outside, and we will see how you return home alive)," the convict told the judge on April 2 as per the order passed by Judicial Magistrate First Class (NI Act) Shivangi Mangla of Dwarka Court the same day.

She convicted the accused under Section 138 (dishonour of cheque) of the Negotiable Instruments Act. Judge Mangla also said in her order that he held an object in his hand, which he tried to throw at her after she passed the conviction order.

After hearing the judgment not in his favour, he "erupted with anger" at the judge in the open court as to how the judgment of conviction could be passed, the judge noted in the order. He started harassing the judge in "unofficial Hindi language with commentary against the mother" of the judge, she added.

"Then again they both (convict and counsel) harassed me mentally and physically to resign from job and they both again harassed to acquit the accused else they will file complaint against me and forcibly arrange my resignation," the judge said in her order.The judge, in the order, said appropriate action should be initiated against the convict before the National Commission for Women (NCW) for the threats and harassment. She also ordered a showcause notice to be issued to his counsel, Athul Kumar, to provide in writing the explanation for his conduct and why he should not be referred to the Delhi High Court for initiating criminal contempt proceedings for misbehaviour.

Three days later, on April 5, the judge sentenced the convict to simple imprisonment for 22 months and directed him to pay a Rs 6.65 lakh fine in the cheque case. The convict's counsel requested a lenient sentence, stating that his client was a 63-year-old retired government teacher with three unemployed sons.In her order dated April 5, she also referred the matter to the principal district and sessions judge for the South West district in Dwarka for referral to the Delhi High Court to take up appropriate proceedings regarding the April 2 order.

Hornet's nest: Save Ancient knowledge from cow dung tales

Such act of pasting cow-dung on the wall of the classrooms, belittle the vision of the National Education Policy (NEP) 2020 to resurrect ancient Indian knowledge for public good.

NewDelhi. Novelist and columnist Makarand Paranjape was one of the earliest visible faces of right of the centre ideological track in the predominantly Left-leaning Jawaharlal Nehru University (JNU). Publicly heckled by then JNU Students Union (JNUSU) president Kanhaiya Kumar for resisting a strike call by the students, he became the face of the right's opposition to Marxist dogma.In a recent article (published in this newspaper) Paranjape startled many by mentioning, "I experienced a campus suffocated by ideological conformity; the Left's intolerance was stifling. But Right rigidity and anti-intellectualism are scarcely better. Earlier, I had watched scholars and students shunned for daring to question Marxist dogma or exploring nationalist perspectives. Inquiry gave way to loyalty tests. Now, the pendulum has swung to the other extreme."

One has never been a student of the Jawaharlal Nehru University (JNU) but has watched it for four decades now. First as a student of Delhi University, fed on the stories of the Utopian ideas of the campus down south, and then as a journalist. First as university reporter and then in various other capacities. One always felt there was a marked difference between the two eminent centres of education, set-up almost 50 years apart.First and foremost was the topography. Delhi University had an open campus with prominent bus routes of the Delhi Transport Corporation (DTC) criss-crossing through it. It was rightly called an open campus, whereas JNU came up in an enclosure. This open and closed approach to ideological debates also reflected on these two campuses. Whereas the Delhi University believed in the true spirit of the phrase - Let the 100 flowers bloom, and not the way Mao Zedong meant, JNU shunned those who questioned the Marxist dogma.

Unfortunately in the past few years Delhi University too has shown a particular streak, as Paranjape would put it, 'inquiry giving way to loyalty tests.' This has specially become dominant during the tenure of the present Vice Chancellor. This is sad, as Yogesh Singh's contribution in ending adhocism on the campus is unparalleled. However, somehow his administration has failed to convey the message that academic merit mattered over Hinduvta manners.The burning example of this being a Principal of a college pasting cow-dung on the wall of the classrooms to illustrate her initiative at promoting Indian Knowledge System. Lakshmibai College's principal Pratyush Vatsala applied cow dung to a classroom's walls, citing traditional cooling methods.

NEWS BOX

Two Turkish men shot dead in Germany's spa town, manhunt on

Berlin. German police in a spa town north of Frankfurt were expanding a manhunt for one or more suspects still on the loose after two Turkish men were fatally shot a day earlier, reports said Sunday.Police in the Hesse region said the two victims were gunned down in a residential area of Bad Nauheim, about 35 kilometres (about 22 miles) north of Frankfurt, and a motive was not immediately known.German news agency DPA said authorities could not rule out that one or more suspects might have been involved, and the crime appeared to have been motivated by personal reasons. Citing police and prosecutors, the agency said the two victims were a father-in-law aged 59, and a son-in-law aged 28.According to Hessenschau, a regional publication linked to a public broadcaster, a large police contingent was deployed after the shootings on Saturday, and local residents indicated that special forces had been sent to the site, along with emergency vehicles and a police helicopter.

Israel says 'professional failures' led to killings of 15 Gaza medics, fires commander

world. An Israeli investigation into the killings of 15 Palestinian medics last month in Gaza by Israeli forces said Sunday it found a chain of "professional failures" and a deputy commander has been fired.

The shootings outraged many in the international community, with some calling the killings a war crime. Medical workers have special protection under international humanitarian law. The International Red Cross/Red Crescent called it the deadliest attack on its personnel in eight years.Israel at first claimed that the medics' vehicles did not have emergency signals on when troops opened fire but later backtracked. Cellphone video recovered from one medic contradicted Israel's initial account. Footage shows the ambulances had lights flashing and logos visible as they pulled up to help another ambulance that earlier came under fire.The military investigation found that the deputy battalion commander acted under the incorrect assumption that all the ambulances belonged to Hamas militants. It said the deputy commander, operating under "poor night visibility," felt his troops were under threat when the ambulances sped toward their position and medics rushed out to check the victims. The military said the flashing lights were less visible on night-vision drones and goggles.The ambulances immediately came under a barrage of gunfire that went on for more than five minutes with brief pauses. Minutes later, soldiers opened fire at a UN car that stopped at the scene.Eight Red Crescent personnel, six Civil Defense workers and a UN staffer were killed in the shooting before dawn on March 23 by troops conducting operations in Tel al-Sultan, a district of the southern Gaza city of Rafah. Troops bulldozed over the bodies along with their mangled vehicles, burying them in a mass grave. UN and rescue workers were only able to reach the site a week later.The Israeli military said soldiers buried the bodies to prevent them from being mangled by stray dogs and coyotes until they could be collected, and that the ambulances were moved to allow the route to be used for civilian evacuations later that day.

Zelenskyy says Russia is trying to create an 'impression of a ceasefire' as attacks continue

KYIV. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy accused Russia on Sunday of creating a false appearance of honoring an Easter ceasefire, saying Moscow continued to launch attacks after Russian President Vladimir Putin announced a unilateral temporary truce."As of Easter morning, we can say that the Russian army is trying to create a general impression of a ceasefire, but in some places, it does not abandon individual attempts to advance and inflict losses on Ukraine," Zelenskyy said in a post on X.y morning that Ukrainian forces had recorded 59 instances of Russian shelling and five assaults by units along the front line, as well as dozens of drone strikes.In later updates, Zelenskyy said that despite Ukraine declaring a symmetrical approach to Russian actions, "the trend of increasing the use of heavy weaponry by Russian forces continues." He said, however, that it was "a good thing, at least, that there were no air raid sirens."He noted that some Ukrainian troops were killed in a Russian "ambush" on Sunday in the Donetsk region, and said the Russian soldiers responsible would be "eliminated."

Russia's Defense Ministry accused Ukrainian forces of overnight attacks in the Donetsk region despite the ceasefire. It said Ukraine had sent 48 drones into Russian territory.According to the ministry, there were "dead and wounded among the civilian population," without giving details. It claimed Russian troops had strictly observed the truce.

Russia-installed officials in the partially occupied Ukrainian region of Kherson also said Ukrainian forces had launched attacks.Zelenskyy said that Russia must fully adhere to the ceasefire conditions and reiterated Ukraine's offer to extend the truce for 30 days when it ends midnight Sunday. Ukrainian Foreign Minister Andrii Sybiha said Moscow had not responded to Kyiv's proposal."In practice, either Putin does not have full control over his army, or the situation proves that in Russia, they have no intention of making a genuine move toward ending the war, and are only interested in favorable PR coverage," Zelenskyy wrote.

Easter ceasefire crumbles as Russia, Ukraine accuse the other of violations

Moscow, Russia and Ukraine accused each other of thousands of attacks that violated the one-day Easter ceasefire declared by President Vladimir Putin, with the Kremlin saying there was no order to extend the pause in frontline fighting.Washington said it would welcome an extension of the truce, and President Volodymyr Zelenskyy reiterated several times Ukraine's willingness to pause strikes for 30 days in the war.But Putin, who sent thousands of Russian troops into Ukraine in February 2022 and who ordered on Saturday the halt in all military activity along the front line until midnight Moscow time (2100 GMT) on Sunday, did not give orders to extend it."There were no other commands," Russia's TASS state news agency cited Kremlin's spokesperson Dmitry Peskov as saying when asked whether the ceasefire could be prolonged.While there were no air raid alerts in Ukraine on Sunday, soon after midnight on Monday, the Ukrainian air force issued alerts for east and southeast regions of the country, warning of missile and drone strikes.Ukrainian forces reported nearly 3,000 violations of Russia's own ceasefire vow, Zelenskyy said early on Monday, adding that Kyiv forces were instructed to mirror the Russian army's actions."We will respond to silence with silence, our strikes will be to protect against Russian strikes," Zelenskyy said in a post on the Telegram messaging app.The largest number of Russian shelling and assault operations took place along the frontline part near the embattled eastern town of Pokrovsk, Zelenskyy said.Late on Sunday, Zelenskyy said the absence of air raid alerts suggested a "format of ceasefire that has been achieved," and he proposed that Russia abandon drone and missile strikes on civilian targets for at least 30 days.

If Russia does not agree, it will be proof that it intends to continue doing only those things that destroy human lives and prolong the war, Zelenskyy added.In a separate Easter video message, Zelenskyy urged

Ukrainians not to give up hope that peace will one day return."We know what we are defending," said Zelenskyy, wearing a traditional Ukrainian embroidered shirt and standing in front of Saint Sophia's Cathedral in Kyiv. "We know what we are fighting for."

Russia's Defence Ministry said Ukraine had broken the ceasefire more than 1,000 times, damaging infrastructure and causing civilian deaths.The ministry said Ukrainian forces had shot at Russian positions 444 times and said it had counted more than 900 Ukrainian drone attacks, including on Crimea and the Russian border areas of the Bryansk, Kursk and Belgorod regions."As a result, there are deaths and injuries among the civilian population, as well as damage to civilian facilities," the ministry said.

Reuters was unable to immediately verify the battlefield reports.The apparent failure to observe even an Easter ceasefire shows how hard it will be for US President Donald Trump to clinch a lasting peace deal. The president still struck an optimistic note Sunday, saying that "hopefully" the two sides would make a deal "this week" to end the conflict.On Friday, Trump and his Secretary of State, Marco Rubio, said the US would walk away from peace efforts unless there are clear signs of progress soon.

TRUMP'S PEACE PUSH

Last month, after Ukraine accepted Trump's proposal for a 30-day truce, Putin said crucial issues of verification had not been sorted out.

Trump to close embassies across Africa in state department overhaul: Report

world. The Trump administration plans to eliminate most of the State Department's Africa operations as part of a sweeping overhaul of the agency, The New York Times reported, citing a draft executive order that could be signed as early as this week.

According to the draft, the administration plans to shut down American embassies and consulates across Sub-Saharan Africa and eliminate the State Department's Bureau of African Affairs.The proposed changes go beyond Africa. A 16-page draft order, which is not dated and also reviewed by CNBC, outlines a reorganization of the entire department under an "America First Strategic Doctrine."In addition to cuts in Africa, the US will reduce its diplomatic

presence in Canada, with operations moved to a smaller North American Affairs team under Secretary of State Marco Rubio.

Regional bureaus would be consolidated into four "regional corps," and several offices and programs, including those focused on democracy, human rights, women's issues, migration, and climate policy, would be shut down entirely.The order also proposes ending the long-standing Foreign Service Officer Test, replacing it with a new evaluation method that assesses candidates based in part on their alignment with the president's foreign policy vision.

Career diplomats and civil servants unwilling to serve under the new structure would be given the option to exit the department via a one-time buyout program, which would remain open through September 30. The full transition is scheduled for completion by October 1, according to the draft.

El Salvador's Bukele offers Maduro US-deported Venezuelans in prisoner swap deal

world. El Salvador President Nayib Bukele on Sunday proposed sending 252 Venezuelans deported from the US and imprisoned in his country to Venezuela, in exchange for taking "political prisoners" held by Venezuela.

In a post on X, Bukele asked that Venezuelan President Nicolas Maduro hand over 252 "of the political prisoners you are holding," under his proposed deal.The Salvadoran leader did not say whether the prisoners would be incarcerated again upon an exchange.Venezuela's Ministry of Communication did not respond to a request for comment.

Among those Bukele proposed for release from Venezuela were journalist Roland Carreno, human rights lawyer Rocio San Miguel and Corina Parisca de Machado, mother of Venezuelan opposition leader Maria Corina Machado, who he said is subjected to daily threats at her home.He also mentioned nearly 50 detainees of other nationalities, including U.S., German and French citizens, as part of the proposed exchange.

Bukele said his Foreign Ministry would formally present the proposal to the Venezuelan government through

diplomatic channels.Last month, the administration of President Donald Trump deported at least 200 Venezuelans from the United States to El Salvador, accusing them of being members of the Tren de Aragua criminal gang. The U.S. is paying El Salvador $6 million to detain the migrants in its high-security Terrorism Confinement Center.The Venezuelan government has said it has no political prisoners and that imprisoned people have been convicted of crimes. However, non-governmental organizations claim that more than 800 people are detained for political reasons.

The Venezuelan government has denied that the Venezuelans deported by the U.S. have gang affiliations. Lawyers and family members of the detainees have also asserted that the migrants have no ties to criminal groups.On Saturday, the US Supreme Court temporarily blocked the Trump administration from deporting another group of Venezuelan migrants accused of gang ties under a rarely used wartime law, issuing a stay after the American Civil Liberties Union asked the court to intervene on an emergency basis.

The Trump administration pressed the Supreme Court to reject the ACLU's request on the migrants' behalf, once they review the matter further. White House officials said the president remains committed to his immigration crackdown, but gave no indication the administration would defy the court's decision.

Israel cancels visas for 27 French lawmakers amid tensions with France

This decision comes amid diplomatic tensions between Israel and France, especially after French President Emmanuel Macron recently announced that France would move toward recognizing a Palestinian state at an international conference in June.

world. The Israeli government has cancelled visas for 27 French left-wing lawmakers and local officials just two days before they were set to begin a five-day visit to Israel and the Palestinian territories.The delegation, comprising members of France's Ecologist and Communist parties, was invited by the French consulate in Jerusalem. Their mission, according to the group, aimed to "strengthen international cooperation and promote a culture of peace."Israel's interior ministry justified the action, citing a law that allows the government to deny entry to individuals deemed likely to act against the State of Israel. This decision comes amid growing diplomatic tensions between Israel and France, especially after French President Emmanuel Macron recently

announced that France would move toward recognizing a Palestinian state at an international conference in June.17 members of the group have denounced the visa cancellations as "collective punishment" and called on President Macron to intervene. "For the first time, two days before our departure, the Israeli authorities canceled our entry visas that had been approved one month ago," The Times of Israel quoted the group as saying."We want to understand what led to this sudden decision, which resembles collective punishment," they added.The lawmakers also demanded a meeting with Macron and urged his administration to take firm action to address what they termed a "major rupture in diplomatic ties."

The delegation included National Assembly deputies Franois Ruffin, Alexis Corbire, and Julie Ozenne (Ecologist Party), Communist deputy Soumya Bourouaha, and Communist senator Marianne Margate, along with several left-wing mayors and local council members.This incident comes after similar actions were taken by Israel against European officials. Just days earlier, Israeli authorities detained and deported two British MPs from the governing Labour Party—Yuan Yang and Abtisam Mohamed—at Tel Aviv's airport, citing the same law. British Foreign Secretary David Lammy criticized the move as "unacceptable."

Earlier in February, Israel also blocked entry to two left-wing members of the European Parliament—Franco-Palestinian MEP Rima Hassan and Irish MEP Lynn Boylan.Netanyahu has strongly opposed any moves toward recognizing a Palestinian state, saying that such recognition would be a "huge reward for terrorism."

JD Vance meets Pope Francis amid tensions over Trump's deportation plans

US Vice President JD Vance met briefly with Pope Francis on Easter Sunday, after they got into a long-distance tangle over the Trump administration's migrant deportation plans.

world. US Vice President JD Vance met briefly with Pope Francis on Sunday to exchange Easter greetings, after they got into a long-distance tangle over the Trump administration's migrant deportation plans.

Francis, who is recovering from a near-fatal bout of pneumonia, received Vance in one of the reception rooms of the Vatican hotel where he lives. The 88-year-old pope offered the Catholic vice president three big chocolate Easter eggs for Vance's three young children, who did not attend, as well as a Vatican tie and rosaries."I know you have not been feeling great but it's good to see you in better health," Vance told the pope. "Thank you for seeing me."Vance's motorcade entered Vatican City through a side gate while Easter Mass was being celebrated in St. Peter's Square. Francis had delegated the celebration of the Mass to another cardinal.The Vatican said they met for a few minutes at the Domus Santa Marta "to exchange Easter greetings."

Vance's office said the vice president "expressed his gratitude to Pope Francis for inviting him to meet on Easter Sunday and for the hospitality the Vatican has extended to his family."I pray for you every day," Vance said as he bid Francis farewell. "God bless you."In all, Vance's motorcade was on Vatican territory for 17 minutes. The vice president later joined his family for Easter Mass at St. Paul Outside the Walls, one of the four pontifical basilicas in Rome. The Vances visited the tomb of the apostle St. Paul that is said to be located there.Vance, who converted to

Catholicism in 2019, and the pope have tangled sharply over migration and the Trump administration's plans to deport migrants en masse. Francis has made caring for migrants a hallmark of his papacy.Just days before he was hospitalized in February, Francis blasted the deportation plans, warning that they would deprive migrants of their inherent dignity. In a letter to U.S. bishops, Francis also appeared to respond to Vance directly for having claimed that Catholic doctrine justified such policies.Vance has acknowledged Francis' criticism but has said he will continue to defend his views. During a Feb. 28 appearance at the National Catholic Prayer Breakfast in Washington, Vance didn't address the issue specifically but called himself a "baby Catholic" and acknowledged there are "things about the faith that I don't know."

Vance met Saturday with the Vatican secretary of state, Cardinal Pietro Parolin, and foreign minister, Archbishop Paul Gallagher.Vance's office said he and Parolin "discussed their shared religious faith, Catholicism in the United States, the plight of persecuted Christian communities around the world, and President Trump's commitment to restoring world peace."

The Vatican, for its part, said there was an "exchange of opinions" including over migrants and refugees and current conflicts.

NEWS BOX

BCCI annual contracts: Who's in and who's out and debutants in 34-man list

New Delhi The Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced their annual player retainership for 2024-25 on Monday, April 21 as several new names were added to the list of the centrally contracted players. Captain Rohit Sharma, along with senior players Virat Kohli, Jasprit Bumrah and Ravindra Jadeja, reained A+ contract.

Wicketkeeper batter Rishabh Pant, who made a comeback to international cricket after surviving a near-fatal car crash in December 2022, has been promoted from Grade B to A. Star batter Shreyas Iyer has stormed his way into Grade B on the back of phenomenal performances in India's ICC Champions Trophy 2025 triumph.The right-handed batter was the second-highest run scorer of the tournament with 243 runs from five innings at an average of 48.60 with two fifties to his name. Apart from him,

wicketkeeper batter Ishan Kishan was also included under Grade C after not being considered last year.Several reports claimed that both Iyer and Kishan missed out on their contracts for reportedly skipping domestic cricket, but the BCCI didn't specify the reason publicly. Apart from them, Varun Chakravarthy managed to earn his maiden contract under Grade C following his remarkable comeback to international cricket in 2024

The wrist-spinner was the joint second-highest wicket-taker of the ICC Champions Trophy with nine wickets to his name from three innings. All-rounder Nitish Kumar Reddy was also amongst the ones to earn a maiden central contract following his phenomenal show in the Border Gavaskar Trophy 2024-25.Reddy made valuable contributions lower down the order throughout the series, which included a century in the fourth Test at the Melbourne Cricket Ground (MCG). Swashbuckling opener Abhishek Sharma and fast bowlers Akash Deep and Harshit Rana also managed to get their maiden contracts after leaving a mark in international cricket in the 2024-25 season.

Meanwhile, Jitesh Sharma, Shardul Thakur, KS Bharat and Avesh Khan failed to get retained under Grade C.

Fed up of praising CSK: How Mayanti Langer got Kieron Pollard to drop the diplomacy

- Mumbai Indians hammered Chennai by 9 wickets on Sunday in Mumbai
- MI ended their four-match losing streak to arch-rivals CSK
- Kieron Pollard revaled how he fired up MI during a pep talk

New Delhi West Indies great and Mumbai Indians batting coach Kieron Pollard tried to play it diplomatic when assessing Mumbai Indians' emphatic win over Chennai Super Kings in their IPL 2025 clash on Sunday, 20 April. Pollard, however, was visibly animated throughout the match, having delivered a fiery pep talk ahead of the much-anticipated 'El Clasico' at the Wankhede Stadium in Mumbai.Pollard admitted he was thrilled to see MI finally get it right against their long-time rivals. TV presenter Mayanti Langer, however, nudged the former West Indies captain to ditch the diplomacy and share how he really felt about the high-stakes MI vs CSK rivalry.The result? A candid Pollard revealed what he told the team in the pre-match huddle. MI vs CSK, IPL 2025 Highlights"No, of course, if you look at the start of the game, Mahela (Jayawardene) gave me the opportunity to speak to the guys," Pollard said. "One of the things I told them was, 'I'm fed up of telling Chennai well played over the last couple of years.' The way the guys went out today - very good."CSK entered the match with momentum, having won the reverse fixture in Chennai earlier this season. In fact, MS Dhoni's side had beaten MI in their last four meetings in the IPL. But on Sunday, Mumbai finally broke the streak.

MI produced a clinical all-round display, starting with the ball as they restricted CSK to a below-par 176 in their 20 overs. Despite fighting half-centuries from Shivam Dube and Ravindra Jadeja and a sparkling debut cameo from 17-year-old Ayush Mhatre, CSK couldn't push past the 200 mark - a par score on a good batting surface.Mumbai's bowlers were tactically spot-on, with Jasprit Bumrah held back for the death overs to nullify CSK's big-hitters. They also deployed Mitchell Santner cleverly at the end, using him against Dhoni to great effect.

POLLARD ON BUMRAH AND SKY SHOWWith the bat, MI were ruthless. Suryakumar Yadav was promoted to No. 3 and took down CSK's spinners - including Noor Ahmad - with a flurry of sweeps and lofted strokes. Rohit Sharma returned to form with a commanding 76 off 45 balls, while Suryakumar remained unbeaten on 68 from just 30 deliveries, guiding MI to a thumping nine-wicket win in just 15.4 overs.

Pollard praised the team's tactical growth and pointed to the clarity in their bowling plans this season."A lot of planning has gone into what we want to do. If you look at Hyderabad in the last game - those guys just want to bash the ball. So we took the pace off," he said. "Tonight again, credit to the bowlers. Someone like Bumrah - who's so used to taking the new ball - we held him back. Dube came in during the middle and had to face Bumrah at the back end. The bowling unit is working well together."On Suryakumar's promotion and his impact against spin, Pollard added: "Of course, we wanted him at No. 3. We want him to face as many balls as possible. But even in the back end, he's dangerous. We try to understand the opposition and where he can make the biggest impact. Against Chennai, he reads spin so well - he can manipulate the field, sweep, reverse, and dominate."

With four wins in eight matches, MI appear to be finding their rhythm at the right time. Their next challenge comes in the form of an in-form SunRisers Hyderabad side, away in Hyderabad.

Manchester United sets another unwanted Premier League record

MANCHESTER. Manchester United set another unwanted club record on Sunday after losing 1-0 to Wolverhampton.A 15th league loss of the season is the most United has suffered in any single campaign in the Premier League era and emphasizes the club's ongoing decline.United has dominated England's top flight since the inception of the Premier League in 1992 — winning 13 titles. But it has not been crowned champion since 2013 when former manager Alex Ferguson retired.Last season it set a new high for league losses with 14 defeats. With five rounds still to go, Ruben Amorim's team has already gone past that benchmark."We need to fight for wins, score goals and try to get more points," Amorim said. "This season is going to end like this. We need to take the positives, try to work on the things we need to improve."We have to work and try to be better in the first game of next season."Amorim said in Jnuary that

this might be the worst team in the club's history and the lows have kept on coming.A 15th league loss is the most for any United team since the 1989-90 campaign when it was defeated 16 times in England's old Division One.Premier League statistician Opta said an eighth home defeat in the league was the most since United was beaten nine times in 1962-63.Worst points total in Premier League

United is already certain to set the club's worst-ever points total in the Premier League. The latest loss left it on 38 points.

United's lowest total was 58 in the 2021-22 season. Even a perfect finish would only see United amass 53 this term.The record 20-time English champion is also on course to record its lowest league finish in the Premier League.The previous low was set by Erik ten Hag's team last season when finishing eighth in the standings - the club's worst final position in 34 years.

United is currently 14th and 11 points behind eighth-placed Bournemouth.Silver lining

But Amorim could still end the campaign on a successful note by winning the Europa League. United staged a dramatic fightback to beat Lyon 5-4 on Thursday and advance to the semifinals of Europe's second tier competition.United plays Athletic Bilbao in the next round. The Europa League winner also qualifies for next season's Champions League.

BCCI contracts: Rohit Sharma, Virat Kohli in top, Shreyas Iyer, Ishan Kishan return

New Delhi The Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced the annual central contracts for the senior men's team for the 2024-25 season on Monday, April 21. Shreyas Iyer and Ishan Kishan made a return to the list after missing out last year, while Rohit Sharma and Virat Kohli retained their spots in the top bracket - Grade A-plus - despite retiring from the T20I format in 2024.A total of 34 players were awarded annual retainers for the 2024-25 season, covering the period from October 1, 2024, to September 30, 2025.

BCCI ANNUAL RETAINDERSHIP FOR 2024-25

Grade A+: Rohit Sharma, Virat Kohli, Jasprit Bumrah, Ravindra Jadeja.Grade A: Mohammed Siraj, KL Rahul, Shubman Gill, Hardik Pandya, Mohammed Shami,

Rishabh Pant.Grade B: Suryakumar Yadav, Kuldeep Yadav, Axar Patel, Yashasvi Jaiswal, Shreyas Iyer.Grade C: Rinku Singh, Tilak Verma, Ruturaj Gaikwad, Shivam Dube, Ravi Bishnoi, Washington Sundar, Mukesh Kumar, Sanju Samson, Arshdeep Singh, Prasidh Krishna, Rajat Patidar, Dhruv Jurel, Sarfaraz Khan, Nitish Kumar Reddy, Ishan Kishan, Abhishek Sharma, Akash Deep, Varun Chakaravarthy, Harshit Rana.There were doubts over whether Rohit Sharma and Virat Kohli would be retained in Grade A-plus along with Ravindra Jadeja after the trio retired from T20Is after winning the World Cup last year.

However, all three players have been retained in the top bracket along with Jasprit Bumrah. All three are still part of India's ODI and Test set-ups.Meanwhile, R Ashwin has been dropped from the contracted players list after he retired from international cricket last year.Rishabh Pant, on the other hand, has moved from Grade B to Grade A. Shreyas Iyer and Ishan Kishan slot back into Grade B and Grade C, respectively. The two players were stripped of their BCCI contracts last year for apparent failure to play domestic cricket consistently.

Gukesh doesn't need to prove anything to anyone: Srinath

CHENNAI. D Gukesh became the youngest-ever world champion in history in Singapore last year, but his achievement has not been acknowledged gleefully by players like Magnus Carlsen and Vladimir Kramnik. Now, Norwegian GM Jon Ludvig Hammer has questioned the ability of Gukesh to be the world champion for a longer period.

The main reason for these doubts is Gukesh's poor show during the Freestyle Chess Grand Slam Tour. Many former players commented that Gukesh did not play like a world champ at the freestyle event. But GM and noted

coach Srinath N backed Gukesh to come good in the upcoming tournaments and perhaps go on to defend his crown. "I don't feel any particular attempt to downplay Gukesh as the world champion in general. He is universally accepted as the world champion and there is no questioning that," said Srinath."Gukesh doesn't particularly need to prove anything to anyone. I also haven't noticed anyone mentioning that Gukesh won the World championship by luck. As for Gukesh's results in freestyle, I think 1-2 tournaments is far too early to draw any major conclusions," pointed out the India gold-medal winning Chess Olympiad coach.Hammer, Carlsen's second when he beat Viswanathan Anand to become world champion for the first time in 2013, said he would be happy if Gukesh kept the title for a long time. "Gukesh certainly has the ability to keep the crown. But it will definitely not be easy and his next challenger could very well be one of his compatriots from India or from his age group. Him and his trainers will have the best idea on what he needs to do to improve and defend his title," opined Srinath.Hammer had also stated that all the top players and Gukesh were on par and that the world crown could keep passing on from one player to another and that it was not good for the sport.

MI vs CSK: Powerplay woes keep haunting Chennai in horror IPL 2025 campaign

- CSK scored only 48 runs in the powerplay vs MI
- CSK slumped to their sixth defeat in IPL 2025
- CSK kept struggling at the bottom of the table

Ne w Delhi Chennai Super Kings (CSK) are teetering on the edge of elimination from the Indian Premier League (IPL) 2025. A crushing nine-wicket defeat to Mumbai Indians (MI) has dealt a serious blow to their hopes of finishing in the top four. Struggling at the bottom of the table with a dismal net run rate of -1.392, CSK now face an uphill task just to stay in contention for a top-four finish.

One of their key concerns has been their underwhelming performance in the powerplay. The days of cautiously preserving wickets early to accelerate in the death overs are long gone. On Sunday, CSK managed just 48 runs in the powerplay—on a pitch that offered little assistance to the bowlers. MI, on the contrary, plundered 62 without loss in the powerplay.

The start was particularly sluggish for CSK, with only eight runs scored in the first two overs as the batters tried to assess the conditions and the MI bowling attack. Shaikh Rasheed struggled to find his rhythm, and although debutant Ayush Mhatre provided a brief spark with a quickfire 32 off 15 balls, the damage had already been done. CSK had once again fallen behind early—an all-too-familiar pattern this season.

'Car hasn't shifted gear'

Legendary cricketer Sunil Gavaskar didn't hold back in his criticism, stating bluntly that scoring at eight runs per over simply isn't good enough in modern T20 cricket. While other teams are regularly racking up 80 to 90 runs in the powerplay, Gavaskar pointed out that the Super Kings have consistently struggled to shift gears and accelerate when it matters most.

"At the start, they were only getting up to about eight runs an over in the first six overs, which hasn't really been the case over the last couple of seasons. Most teams, even if they lose three wickets early, still manage to have scores of 50, 55, 60, 70, even 80," Gavaskar told the broadcasters after the match."That's what they're struggling to do. Once they start doing that, they'll be a different team. Because then, you'll have batters like Shivam Dube and others coming in for the last 10 to 12 overs and smashing it all over - and they'll be putting up scores of 200."

KKR vs GT, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Kolkata pitch conditions

- IPL 2025, KKR vs GT Prediction: Kolkata Knight Riders (KKR) are set to take on Gujarat Titans (GT) in their eighth fixture of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025). The Ajinkya Rahane-led side will be desperate to bounce back following their embarrassing loss vs Punjab Kings.

New Delhi Kolkata Knight Riders (KKR) are set to take on Gujarat Titans (GT) in Match 39 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Monday, April 21 at Eden Gardens, Kolkata. The Ajinkya Rahane-led side are coming into the game on the back of an embarrassing loss against Punjab Kings (PBKS) after they failed to chase down the target of 112.

Kolkata needed just 60 runs to win, having eight wickets in hand but ended up suffering a dramatic collapse to get bundled out for 95. Following their loss, KKR are placed seventh on the points table with three wins from seven matches having six points to their name.The defending Champions are struggling due to their middle order woes with Rinku Singh, Andre Russell, Venkatesh Iyer and Ramandeep Singh not being able to live up to their past standards. Hence, KKR have a lot to fix as they progress ahead in the tournament and will be desperate to bounce back on the winning track in the upcoming fixture.On the other hand, Gujarat are coming into the fixture after beating Delhi Capitals (DC) by seven wickets. The Shubman Gill-led side are on a roll in the ongoing season, being on top of the points table with five wins from seven matches having ten points to their name. GT are firing all cylinders with a collective effort from the batting and bowling units.The 2022 Champions are looking like the team to beat

in the ongoing season and are likely to give a tough fight to Kolkata in their home den. With another win against KKR, Gujarat will look to consolidate their top spot.

HEAD-TO-HEAD: KKR vs GT

Gujarat have the upper hand over Kolkata in terms of head-to-head records between the two teams having beaten them twice out of the three matches.

KR vs GT: TEAM NEWS

Fast bowler Kagiso Rabada remains unavailable for Gujarat after flying back home due to personal reasons. On the other hand, there are no injury concerns in the KKR camp.

KKR vs GT: PREDICTED PLAYING XIs and IMPACT SUBS

Kolkata Knight Riders: Sunil Narine, Quinton de Kock(wk), Ajinkya Rahane(c), Venkatesh Iyer, Angkrish Raghuvanshi, Rinku Singh, Andre Russell, Ramandeep Singh, Harshit Rana, Anrich Nortje, Vaibhav Arora

Impact Sub: Varun Chkarvarthy

Gujarat Titans: Shubman Gill(c), Sai Sudharsan, Jos Buttler(wk), Sherfane Rutherford, Shahrukh Khan, Rahul Tewatia, Arshad Khan, Rashid Khan, Ravisrinivasan Sai Kishore, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna

KKR vs GT: Weather and Kolkata Pitch Prediction

The surface at the Eden Gardens has been a high-scoring one over the past few seasons and it's likely to remain the same for the upcoming fixture. The batters are going to enjoy all of their shots while spinners will get some assistance from the surface.

Trisha Krishnan

Opens Up About Marriage: 'Okay If It Happens, Okay If It Doesn't'

Kamal Haasan, Trisha Krishnan and Silambarasan TR are on a promotional spree for their upcoming film Thug Life. As the release date for Mani Ratnam's highly anticipated film draws closer, the lead cast is leaving no stone unturned to further elevate the hype. Now, during a recent press meeting about the film, the lead actress Trisha Krishnan addressed a long-standing question about her personal life, leaving many surprised.While she has established herself as one of the bankable actresses in South cinema, fans have often expressed curiosity about when the celebrated actress plans to tie the knot. At the Thug Life press meeting, Trisha directly addressed this frequently asked question with a candid revelation about her beliefs on marriage. She revealed that she doesn't believe in the concept of marriage and is content either way, whether she marries or not.

"I don't believe in marriage. It's okay if it happens, okay if it doesn't, too," stated the actress, leaving those present and her fans stunned by her view.

When veteran actor Kamal Haasan was also asked about his views on marriage during the same press meeting, he shared an anecdote involving MP John Brittas from about a decade ago. Speaking in Tamil, Haasan recounted, "This happened 10-15 years ago. MP Brittas is a very good friend of mine. He asked me in front of a bunch of college students, You are from a good Brahmin family, how did you get married twice? I said, What does being from a good family have to do with marriage? He said no, but you pray to Lord Rama, so you live how he lived. Firstly, I don't pray to any god. I don't follow Rama's path; perhaps I follow his father's (Dasharatha) path (who had three wives)," as reported by the Hindustan Times.

Interestingly, Trisha's personal life has been full speculationons. Rumours are rife about Trisha Krishnan being in a relationship with her Ghilli co-star Thalapathy Vijay for quite some time now. Despite both actors remaining tight-lipped about these reports, their public appearances together continue to fuel the ongoing speculation among fans.

Yuzvendra Chahal, RJ Mahvash Spotted Together In Chandigarh Amid Dating Rumours

Yuzvendra Chahal and RJ Mahvash have been hitting the headlines for their dating rumours. While both of them have remained tight-lipped about the speculations swirling on the Internet, their joint appearances, and social media posts add fuel to the rumours. Now, ahead of the IPL 2025 match between Royal Challengers Bengaluru and Punjab Kings tomorrow, Yuzvendra and Mahvash were spotted together by the paparazzi in Chandigarh. A video of them exiting the Chandigarh airport along with other members of Punjab Kings went viral on social media.

The video that has surfaced on Instagram shows Yuzvendra and Mahvash walking together as they exited Chandigarh airport. Other team members were also seen along with them. The rumoured couple looked cheerful as they made their way together to board the team bus. RJ Mahvash looked chic in a white top, matching shorts and a grey jacket. She had dark sunglasses on, and rounded off her look with black sneakers. Meanwhile, Yuzvendra was seen in a pink jersey and baggy jeans. He was seen carrying the bags as they headed to board the bus. Check out the video below!

Yuzvendra Chahal was previously married to influencer and choreographer Dhanashree Verma. The couple, who tied the knot in 2020, officially announced their separation last month on March 20, 2025.Meanwhile, rumours of Yuzvendra and Mahvash dating have been swirling across the internet for the past few months. Mahvash is always seen cheering for Chahal's Punjab Kings during the ongoing IPL matches. A few days ago, his stellar performance in Mohali drew praise from her. She took to her Instagram stories to share a recent selfie with the cricketer, and wrote, "What a talented man. Highest wicket-taker for a reason. Asambhav!"

Last week, Mahvash attended a PBKS match in Chandigarh and posted several photos from the stands. One snapshot featured her cheering passionately during the match, while another was a selfie with Chahal, fueling further speculation about their rumoured romance.

AstaGuru's ShowKeen Unites Bollywood And Art World At Mumbai's Nehru Centre

ShowKeen, a premier exhibition showcasing modern and contemporary Indian art has recently brought together an extraordinary collection of artistic wonders. Presented by AstaGuru Auction House, this artistic event invited an exclusive lineup of Bollywood stars. Karan Johar, Manish Malhotra, Suhana Khan, Farah Khan, Anita Shroff Adajania among other stars graced the red carpet with their presence.

"ShowKeen is a celebration of artistic mastery across time – where the revolutionary works of modern Indian art stand alongside the bold expressions of contemporary Indian artists," AstaGuru Auction House CMO Manoj Mansukhani told The Week. He further explained that with ShowKeen, AstaGuru is set to offer a space where new artistic movements take centre stage and where art can be experienced as well. This auction featured nearly 72 masterpieces by 40 pioneering artists of the modern era.

Film director and producer Karan Johar recently took to social media to share his experience at the artistic event. "At the beautifully curated ShowKeen exhibit by @astaguru..@putlu put together a supremely elegant evening that brought artistic and aesthetic minds together to celebrate the rise and shine of contemporary art and artists and applaud the magic of the masters.." Karan Johar wrote.

The evening was further graced by Bollywood's most powerful and influential women. Gauri Khan, Neelam Kothari and Seema Sajdeh among others were present at the gala. Moreover, Bollywood's favourite couples Bobby Deol with wife Tanya Deol, Sanjay Kapoor with Maheep Kapoor, and Chunky Pandey with wife Bhavna Pandey were also spotted at the event. With such influential figures' presence at the event, AstaGuru has become not only a major art event but also a celebration and preservation of India's rich culture and heritage.

ShowKeen is not just an art exhibition but provides the attendees with an exclusive experience with expert-led walkthroughs and insightful discussions. The ShowKeen exhibition presented by AstaGuru Auction House will run for two days – 19th and 20th April 2025 at Nehru Centre in Mumbai.

'Arre Yaar, Nahi Chahiye Mujhe':

Bipasha Basu

Avoids Paps After Gym Class, Quickly Hops Into Car

Bipasha Basu may have been away from films for a while, but she continues to be a paparazzi favourite. The actor is often papped on her family outings with daughter Devi and her husband Karan Singh Grover in the city. On Saturday, April 19, the Race actor was clicked outside her gym class. Upon noticing paps, Bipasha avoided them and expressed that she doesn't want to be clicked. She then got into her car and sped past them.Sans any makeup, Bipasha Basu was papped wearing a loose T-shirt, gym pants with her hair tied onto a bun.

She quickly hopped inside her car, all while telling paps that she doesn't want to be photographed: "Arre yaar, nahi chahiye mujhe (I don't want to be papped)." Watch the video here:

Meanwhile, social media users took to the comment section and guessed the reason for Bipasha's unwillingness to be clicked. "She didn't do makeup, that's why she's refusing," wrote a netizen. Another user blamed paps for the breach of privacy, "Shameless paps. Why are you filming?" "Without makeup thi sayed," said a third user.

Last year, Bipasha called out paparazzi for zooming in their lens on actresses' body parts. Bigg Boss 15 star Rajiv Adatia had called out this behaviour and took a stand against it on his Instagram story.

He wrote, "The media needs to stop showing ladies backsides and saying guess who?? I don't see you focusing on men's parts saying guess who!?? What's happening to the media lately! You are covering some nonsense now Adays! Bass karo!"

he same post was re-shared by the No Entry actor on her Instagram story. She added, "Absolutely offensive and annoying. Please stop it if you are reading this," along with folded hands emojis.On the film front, Bipasha Basu was last seen in 2015 film, Alone. She had a cameo appearance in 2018 film, Welcome To New York, starring Sonakshi Sinha. In 2020, she made her web series debut with MX Player series, Dangerous, co-starring husband Karan Singh Grover. The actor has now taken a temporary break from work to focus on her two-year-old baby girl, Devi.